लखनऊ

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

शनिवार, 15 अगस्त , 2026

वर्ष : 11 । अंक: 346

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

सब्र एक ऐसी सवारी है, जो अपने सवार को कभी गिरने नहीं देती।

TODAY WEATHER

DAY 32° Hi | NIGHT 28° Low

संक्षेप

चमोली हादसे में अब तक 7 लोगों की मौत, सीएम धामी ने किया टीएचडीसी टनल हादसा स्थल का निरीक्षण, रेस्क्यू अभियान का लिया जायजा

चमोली। मायापुर (पीपलकोटी) स्थित टीएचडीसी की निर्माणाधीन टनल में मलबा एवं पानी भरने की घटना के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को घटनास्थल पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू अभियान की प्रगति की जानकारी ली तथा अधिकारियों एवं बचाव दलों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने टनल के अंदर जाकर बचाव एवं राहत कार्यों का जायजा लिया और रेस्क्यू अभियान में जुटी टीमों से मौके पर आवश्यक जानकारी ली। टीएचडीसी की विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना के टीआरटी टनल की लंबाई लगभग 3 किलोमीटर है। टनल के लगभग 1.50 किलोमीटर हिस्से में भूधंसाव के कारण मलबा एवं पानी आने की स्थिति उत्पन्न हुई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि रेस्क्यू अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी उपलब्ध संसाधनों एवं तकनीकी विशेषज्ञता का प्रभावी उपयोग किया जाए। उन्होंने बचाव कार्य में जुटी एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, आईटीबीपी, पुलिस सहित सभी टीमों के साथ समन्वय बनाए रखने तथा टनल में फंसे शेष 3 लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए हरसंभव प्रयास करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने मुख्यमंत्री को घटनाक्रम, अब तक किए गए रेस्क्यू तथा मौके पर संचालित राहत एवं बचाव कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। जिलाधिकारी ने बताया कि टनल में फंसे 22 लोगों में से अब तक 19 लोगों को बाहर निकाला जा चुका है, जबकि शेष 3 लोगों की तलाश एवं रेस्क्यू अभियान लगातार जारी है। घटना में अभी तक 7 लोगों की दुखद मृत्यु की सूचना है। रेस्क्यू किए गए घायलों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय गोपेश्वर लाया गया है, जहां स्वास्थ्य विभाग एवं चिकित्सकों की टीम द्वारा उनका उपचार एवं स्वास्थ्य की लगातार निगरानी की जा रही है।

'इंडियाज गॉट लेटेन्ट' विवाद में समय रैना और रणवीर इलाहाबादिया को बड़ी राहत, सुप्रीम कोर्ट ने रद की सभी एफआईआर

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कॉमेडी शो 'इंडियाज गॉट लेटेन्ट' में दिव्यांगजनों के खिलाफ की गई असंवेदनशील और आपत्तिजनक टिप्पणियों के मामले में कॉमेडियन समय रैना और पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया को बड़ी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने इस विवाद के संबंध में अलग-अलग राज्यों में दोनों के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर को रद कर दिया है। हालांकि, सुनवाई के दौरान कोर्ट ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ सामाजिक नैतिकता और अदालत के आदेशों का पालन करने की सख्त हिदायत दी और नियमों की अनदेखी करने पर जुर्माना भी लगाया। दरअसल, रणवीर इलाहाबादिया ने अपने खिलाफ दर्ज सभी FIR को एक साथ जोड़ने (समेकित करने) और दंडात्मक कार्रवाई से सुरक्षा की मांग को लेकर सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया।

बाबरी के भक्त कभी भी बजरंग बली के भक्त नहीं हो सकते, सपा-कांग्रेस पर साधा निशाना: सीएम योगी

आर्यावर्त क्रांति

अयोध्या। स्वामी परमहंस रामचंद्र दास महाराज की पुण्यतिथि के अवसर पर अयोध्या के दिगंबर अखाड़ा में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा-कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि चंदा चोरी की बात कर सनातन पर निशाना साधने की कोशिश की जा रही है। ये लोग बजरंग बली के नहीं बाबरी के भक्त हैं और बाबरी का भक्त बजरंग बली का भक्त नहीं हो सकता है। बजरंग बली ऐसे कालनेमियों को आसानी से पहचान लेते हैं लेकिन बजरंग बली भक्तों को भी इन्हें पहचानने की सामर्थ्य विकसित करनी होगी।

अयोध्या के बदलते स्वरूप का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय अयोध्या में श्रद्धालुओं को बुनियादी सुविधाओं तक के लिए परेशान होना पड़ता था। राम की पैड़ी और सरयू के घाटों की बदहाली का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आज की अयोध्या त्रेता युग की स्मृति कराती है। अब लगता है कि वास्तव में अयोध्या, अयोध्या है।

योगी ने कहा कि अयोध्या सप्तपुरियों में प्रथम पुरी मानी जाती है। इसलिए उसका विकास केवल आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रूप से ही नहीं, बल्कि भौतिक रूप से भी उसी अनुरूप होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज दुनिया में कहीं भी अयोध्या का नाम सुनकर संतों और रामभक्तों को सम्मान मिलता है। यह श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में संतों के तप, साधना और संघर्ष का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान संतों ने विषम परिस्थितियों में संघर्ष किया। इसकी कल्पना करना भी कठिन है। उन्होंने कहा कि यह हिंदुओं की त्रासदी रही है कि जब अयोध्या में प्रभु श्रीराम का राजतिलक होना चाहिए था, तब उन्हें वनवास भी दिया गया।

'कोई न कोई मंथरा आकर फिर कुछ न कुछ गुल खिलाने का काम करने लगती है'

मुख्यमंत्री ने अयोध्या को लेकर विपक्ष पर तीखा हमला करते हुए कहा कि कोई न कोई मंथरा आकर फिर कुछ न कुछ गुल खिलाने का काम करने लगती है और यही कुछ अयोध्या के साथ फिर से हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि अयोध्या को निशाना बनाकर केवल राम जन्मभूमि ही नहीं, बल्कि सनातन धर्म को निशाना बनाने का प्रयास किया जा रहा है। योगी ने विपक्षी नेताओं को निशाने पर लेते हुए उन्हें कालनेमी बताया। उन्होंने कहा कि ये वही लोग हैं जिन्होंने राम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान रामभक्तों के विरोध में खड़े होकर लाठी-गोली चलाने में संकोच नहीं किया और उच्चतम न्यायालय में भी राम जन्मभूमि के पक्ष में फैसला न आने देने के लिए पूरी ताकत लगा दी। उन्होंने कहा कि आज वही लोग राम-राम जपते हुए लोगों को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें इन कालनेमियों को पहचानना होगा।

साध्वी ऋतंभरा बोलीं- तीन संकल्पों की पूर्ति के लिए एकजुट हों

दिगंबर अखाड़ा में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए साध्वी ऋतंभरा ने कहा कि राम जन्मभूमि, कृष्ण जन्मभूमि और काशी विश्वनाथ तीन प्रमुख संकल्प हैं। उन्होंने कहा कि कृष्ण जन्मभूमि हमें मिले, काशी विश्वनाथ में नंदी की तपस्या पूरी हो और परमहंस का संकल्प भी पूरा हो। साध्वी ने कहा कि जब हम इन संकल्पों को दिल से लेकर आगे बढ़ेंगे तो सफलता जल्द मिलेगी। उन्होंने लोगों से इन संकल्पों के प्रति समर्पित होकर एकजुटता के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

हनुमान मंदिर में विपक्षी नेताओं के पहुंचने का जिक्र करते हुए योगी ने कहा कि बजरंगबली से ज्यादा इन "कालनेमियों" को कौन पहचान सकता है। उन्होंने कहा कि राम और बजरंगबली की भक्ति का दावा करने वालों को उनके आचरण से पहचानना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निशाना सनातन धर्म है, निशाना अयोध्या धाम है और निशाना श्रीराम जन्मभूमि है।"उन्होंने रामभक्तों से ऐसे लोगों को पहचानने और उनके प्रति सजग रहने का आह्वान किया।

किंगपिन वीरेंद्र बसोया को यूएई से घसीट लाई एनसीबी

देश छोड़कर भी कानून से बच नहीं पाएंगे तस्कर : अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में नशे का जाल बिछाकर विदेशों में ऐश करने वाले तस्करों के दिन अब लद गए हैं। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने एक ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। भारतीय एजेंसियों को लंबे समय से चकमा दे रहे कुख्यात ड्रग किंगपिन वीरेंद्र सिंह बसोया को एनसीबी ने संयुक्त अरब अमीरात से धर दबोचा है और उसे वापस भारत ले आई है। बसोया विदेशी धरती से भारत में नशे का बहुत बड़ा सिंडिकेट ऑपरेट कर रहा था। इस बड़ी गिरफ्तारी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैले ड्रग्स नेटवर्क की कमर तोड़ने और भगोड़े अपराधियों को देश लाने की दिशा में एक मील का पत्थर माना जा रहा है।

'कानून के लंबे हाथों से कोई नहीं बचेगा'

नशे के इस बड़े सौदागर के पकड़े जाने पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी सख्त रुख अख्तियार किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एनसीबी और अन्य जांच एजेंसियों की पीठ थपथपाते हुए उन्होंने कहा कि मोदी सरकार विदेशों में बैठे तस्करों को खोज निकालने और उनके नेटवर्क को जड़ से खत्म करने का काम कर रही है। गृह मंत्री ने स्पष्ट किया कि ड्रग्स के खिलाफ सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति अब अपना पूरा असर दिखा रही है। उन्होंने तस्करों को खुली चेतावनी देते हुए कहा कि वे दुनिया के किसी भी कोने में क्यों न छिप जाएं, भारतीय कानून की गिरफ्त से बच नहीं सकते। वीरेंद्र सिंह बसोया कोई आम तस्कर नहीं, बल्कि ड्रग्स की दुनिया का एक खूंखार मास्टरमाइंड है। जांच एजेंसियों के रिकॉर्ड के मुताबिक, बसोया का नाम देश की कई बड़ी ड्रग जांचों और हजारों करोड़ रुपये की ड्रग्स की जब्ती में सामने आ चुका है।

'वह दौर बेहद डरावना था'

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर पीएम मोदी का भावुक संदेश, बंटवारे के दर्द को किया याद

नई दिल्ली, एजेंसी। आजादी के जश्न में डूबे देश के बीच एक ऐसा दिन भी आता है, जो इतिहास के पन्नों में गहरे जख्मों के साथ दर्ज है। 80वें स्वतंत्रता दिवस के उल्लास से ठीक एक दिन पहले, 14 अगस्त का दिन उन अनगिनत आंखों की नमी को बयां करता है जिन्होंने बंटवारे का वो खौफनाक मंजर अपनी आंखों से देखा था। इसी 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के मौके पर शुक्रवार सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक भावुक संदेश साझा करते हुए उन सभी परिवारों के दर्द और संघर्ष को याद किया है, जिन्हें रातों-रात अपना सब कुछ छोड़कर एक अनजान सफर पर निकलने को मजबूर होना पड़ा था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री ने लिखा कि इतिहास का वह पन्ना बेहद डरावना और दर्दनाक था। बंटवारे की उस भयानक त्रासदी ने न जाने कितने ही हंसते-खेलते परिवारों को हमेशा के लिए बिखेर कर रख दिया। लोगों को अपनी जन्मभूमि, अपनी जड़ें और अपने करीबियों को छोड़कर दर-बदर भटकना पड़ा। पीएम मोदी ने कहा कि उस दौरान लोगों ने जिस अकल्पनीय पीड़ा और यातनाओं का सामना किया, आज उसकी केवल कल्पना मात्र से ही रूह कांप जाती है।

शून्य से शुरुआत कर गढ़ी सफलता की नई कहानी

इस भीषण त्रासदी और बेइंतहा दर्द के बावजूद देशवासियों के अटूट हौसले की सराहना करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि उन लोगों ने कभी हार नहीं मानी। अपना सब कुछ गंवा देने के बाद भी उन्होंने शून्य से अपने जीवन की नई शुरुआत की। अपने खून-पसीने और कड़ी मेहनत के दम पर उन्होंने न सिर्फ अपनी जिंदगी को फिर से पटरी पर लाया, बल्कि हर मुसीबत और असफलता को अपनी सबसे बड़ी ताकत बना लिया। प्रधानमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि इन लोगों ने राष्ट्र के निर्माण और देश की तरक्की में जो अहम योगदान दिया है, वह अदम्य इंसानी जज्बे की असली ताकत की एक जीती-जागती मिसाल है।

आपसी भाईचारे से ही साकार होगा सशक्त भारत का सपना

अपने इस मार्मिक संदेश के अंत में प्रधानमंत्री ने देश के सभी नागरिकों से एक बेहद खास अपील भी की। उन्होंने कहा कि विभाजन का यह दिन हमें इस बात का संकल्प लेने की प्रेरणा देता है कि हम अपने समाज में आपसी भाईचारा, मेल-मिलाप और सौहार्द को किसी भी कीमत पर आंच न आने दें।

राहुल गांधी को बड़ी राहत, SC ने रद्द किया सावरकर से जुड़ा मानहानि का केस

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ़ आपराधिक मानहानि का केस और लखनऊ मजिस्ट्रेट द्वारा जारी समन रद्द कर दिया। यह कार्रवाई हिंदुत्व विचारक वी.डी. सावरकर पर उनकी टिप्पणियों को लेकर की गई थी। कोर्ट ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने उन पर मुकदमा चलाने के लिए ज़रूरी मंज़ूरी नहीं दी थी। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की बेंच ने आदेश दिया, उत्तर प्रदेश राज्य (प्रतिवादी) द्वारा दाखिल हलफनामे में आरोपी/अपीलकर्ता पर मुकदमा चलाने के लिए मंज़ूरी दिए जाने का कोई ज़िक्र नहीं है। इस स्थिति को देखते हुए, मजिस्ट्रेट द्वारा पारित आदेश और शिकायत को रद्द किया जाता है। लखनऊ कोर्ट ने वकील नृपेंद्र पांडे की निजी शिकायत के बाद गांधी को समन भेजा था।

'भारत की सहनशीलता को कमजोरी न समझें'

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) अजीत डोभाल ने कहा है कि भारत की उदारता और सहनशीलता को उसकी कमजोरी नहीं समझना चाहिए। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर का मुख्य उद्देश्य पहलगाम आतंकी हमले से जुड़े आतंकी ठिकानों को नष्ट करना था। इसके साथ ही उन्होंने जोर देकर कहा कि देश जोखिम उठाने और कड़ा प्रहार करने की क्षमता रखता है, भले ही उसके परिणाम कुछ भी हों।

डिस्कवरी की आने वाली डॉक्यूमेंट्री सीरीज 'डिक्लासिफाइडः ऑपरेशन सिंदूर' में बातचीत के दौरान डोभाल ने कहा कि 88 घंटे तक चले इस सैन्य अभियान का मकसद दुश्मन के उन आतंकी ठिकानों को नष्ट करना था, जो खास तौर पर पहलगाम आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार थे। ऑपरेशन सिंदूर के बाद अपने पहले इंटरव्यू में डोभाल ने कहा,'हमने ऑपरेशन का मकसद दुश्मन के कैंपों को नष्ट करना तय किया था, खासकर उन कैंपों को जो पहलगाम हमले के लिए जिम्मेदार थे।'

राहुल गांधी को बड़ी राहत, SC ने रद्द किया सावरकर से जुड़ा मानहानि का केस

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ़ आपराधिक मानहानि का केस और लखनऊ मजिस्ट्रेट द्वारा जारी समन रद्द कर दिया। यह कार्रवाई हिंदुत्व विचारक वी.डी. सावरकर पर उनकी टिप्पणियों को लेकर की गई थी। कोर्ट ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने उन पर मुकदमा चलाने के लिए ज़रूरी मंज़ूरी नहीं दी थी। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की बेंच ने आदेश दिया, उत्तर प्रदेश राज्य (प्रतिवादी) द्वारा दाखिल हलफनामे में आरोपी/अपीलकर्ता पर मुकदमा चलाने के लिए मंज़ूरी दिए जाने का कोई ज़िक्र नहीं है। इस स्थिति को देखते हुए, मजिस्ट्रेट द्वारा पारित आदेश और शिकायत को रद्द किया जाता है। लखनऊ कोर्ट ने वकील नृपेंद्र पांडे की निजी शिकायत के बाद गांधी को समन भेजा था।

छात्रों के समर्थन में उतरे सीजेआई सूर्यकांत, बीसीआई को लगा दी फटकार ; बोले- जल्द लें लाइसेंस और आएं एससी

नई दिल्ली, एजेंसी। बार काउंसिल ऑफ इंडिया को अपने एक सख्त फैसले पर उस वक्त मुंह की खानी पड़ी, जब विवाद गहराने के बाद उसे अपना ही आदेश वापस लेना पड़ा। दरअसल, बीसीआई ने हैदराबाद की प्रतिष्ठित नालसर यूनिवर्सिटी के 2026 बैच के लॉ ग्रेजुएट्स का वकील के तौर पर रजिस्ट्रेशन रोकने का फरमान जारी किया था। लेकिन, राजनीतिक दबाव और फिर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की कड़ी फटकार के बाद अब पूरी बाजी पलट गई है। सीजेआई ने न सिर्फ छात्रों का खुलकर समर्थन किया है, बल्कि क्चष्टढ्ढ को सख्त हिदायत देते हुए स्पष्ट कर दिया है कि अदालत और छात्रों के बीच के मामले में काउंसिल का कोई लेना-देना नहीं है।

'जल्द लें लाइसेंस, सुप्रीम कोर्ट बार का बनें हिस्सा'

जानकारी के मुताबिक, बीसीआई ने शुरुआत में नालसर के छात्रों का पंजीकरण न करने का आदेश दिया था। हालांकि, जब कॉकरोच जनता पार्टी ने बीसीआई के चेयरमैन मनन मिश्रा को सीधे निशाने पर लिया, तो काउंसिल बैकफुट पर आ गई और तुरंत अपना आदेश रद्द कर दिया। इस पूरे विवाद पर सीजेआई सूर्यकांत ने भी कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने छात्रों का उत्साह बढ़ाते हुए आह्वान किया कि वे बिना किसी देरी के अपना लाइसेंस प्राप्त करें और सुप्रीम कोर्ट बार का हिस्सा बनें। सीजेआई ने कहा कि छात्रों का सुप्रीम कोर्ट बार में शामिल होना उन लोगों के लिए एक करारा जवाब होगा, जो इन युवा वकीलों के करियर में बेवजह रोड़े अटकाना चाहते थे।

'छात्रों और हमारे बीच बीसीआई का कोई काम नहीं'

सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने सख्त लहजे में कहा कि अगर छात्र किसी कारणवश अदालत या व्यवस्था का विरोध करते हैं, तो इसमें बीसीआई को दखल देने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि इस उम्र में कभी-कभी ऐसी बातें कह दी जाती हैं जो शायद हमें गलत लगें, लेकिन उसे उसी रूप में छोड़ देना चाहिए। छात्रों को पूरी तरह आश्वस्त करते हुए सीजेआई ने कहा, हम आपके साथ हैं। छात्रों ने हमें पत्र लिखा है और यह पूरी बात हमारे और छात्रों के बीच की है। बीसीआई ने जो भी कदम उठाया, उसकी कोई जरूरत ही नहीं थी।

कांवड़ यात्रा मार्ग पर चिकन-मटन की दुकानें बंद कराने के खिलाफ याचिका खारिज, कोर्ट की तल्ख टिप्पणी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। सावन माह में अमरोहा में चिकन और मटन की दुकानों को बंद कराने के लिए जारी नोटिस को चुनौती देने वाली जनहित याचिका को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शुक्रवार को खारिज कर दिया। अदालत ने याचिका दाखिल करने वाले अधिवक्ता नासिर फारूक की मंशा पर टिप्पणी करते हुए कहा कि यह याचिका पब्लिक इंटरेस्ट नहीं, बल्कि पब्लिसिटी इंटरेस्ट में दाखिल की गई है। याचिका में सावन माह के दौरान चिकन शॉप और मटन शॉप बंद कराने के लिए जारी नोटिस की वैधानिकता को चुनौती दी गई थी। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से अपर

मुख्य स्थायी अधिवक्ता रामानंद पांडेय ने याचिका का विरोध किया।

याची की ओर से अधिवक्ता मुस्तकीम अहमद ने अदालत को बताया कि अमरोहा में कांवड़ यात्रा मार्ग से हटकर स्थित चिकन की दुकानों को भी पुलिस ने बिना तारीख के नोटिस जारी कर बंद करा दिया है। इससे बड़ी संख्या में दुकानदारों और इससे जुड़े लोगों की आजीविका प्रभावित हो रही है। याचिका में दावा किया गया था कि नोटिस में केवल चार सोमवार को दुकानें बंद रखने का उल्लेख किया गया है, लेकिन प्रशासन की ओर से पूरे सावन माह में चिकन और मटन की दुकानें नहीं खुलने दी जा रही हैं। आरोप यह भी था कि कांवड़ मार्ग के अलावा गलियों और अन्य स्थानों पर स्थित दुकानों को भी बंद कराया गया है। याची ने हाईकोर्ट से हस्तक्षेप करते हुए जारी किए गए अनडेटेड नोटिस को रद्द करने की मांग की थी। याचिका में कहा गया था कि दुकानों के बंद रहने से सैकड़ों लोगों के सामने रोजगार और आजीविका का संकट पैदा हो गया है। हालांकि, सुनवाई के बाद अदालत ने याचिका को खारिज कर दिया।

ट्रक चालकों ने हाईवे पर लगाया जाम, परिवहन विभाग पर मारपीट व अवैध वसूली के आरोप

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। लखनऊ-वाराणसी हाईवे पर शुक्रवार सुबह परिवहन विभाग की कार्रवाई के विरोध में ट्रक चालकों ने करीब एक घंटे तक चक्का जाम कर प्रदर्शन किया। रानीगंज क्षेत्र में गोराबारिक पोस्ट ऑफिस के सामने हुए इस प्रदर्शन के चलते हाईवे पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात प्रभावित रहा।

बताया गया कि परिवहन विभाग की टीम ने चेकिंग के दौरान सेब लदे एक ट्रक को रोका था। ट्रक चालक ने आरोप लगाया कि उससे रुपये लिए गए, इसके बावजूद उसका चालान कर दिया गया। चालक का यह भी आरोप है कि चेकिंग के दौरान उसके साथ मारपीट और थप्पड़ मारा गया। घटना से नाराज चालक ने अपना ट्रक सड़क पर खड़ा कर दिया। इसके बाद अन्य ट्रक चालक भी उसके समर्थन में आ गए और उन्होंने अपने वाहन हाईवे पर खड़े कर दिए। देखते ही देखते सड़क पर वाहनों की कतार लग गई। सुबह करीब 10.15 बजे शुरू हुआ जाम 11.15 बजे तक चला। प्रदर्शन कर रहे ट्रक चालकों ने आरोप लगाया कि वाहन में कोई कमी होने पर परिवहन विभाग को नियमानुसार चालान अथवा कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए थी। चालक के साथ अभद्रता और मारपीट करना उचित नहीं है। चालकों ने मामले की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की।

वहीं जाम खुलवाने और मामला शांत कराने पहुंचे नगर कोतवाल पर भी एक ट्रक चालक के साथ कथित तौर पर गाली-गलौज करने का आरोप लगाया गया। करीब एक घंटे के विरोध प्रदर्शन के बाद स्थिति सामान्य हुई और हाईवे पर यातायात दोबारा सुचारु हो सका। हालांकि परिवहन विभाग और पुलिस की ओर से लगाए गए आरोपों पर आधिकारिक पक्ष सामने आने के बाद ही मामले की पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

सड़क दुर्घटना में घायल युवक की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

कुड़वार/सुल्तानपुर। बहन के घर से सुल्तानपुर जा रहा बाइक सवार सड़क दुर्घटना में आमने सामने बाइक भिड़ने से घायल हो गया। गंभीर हालत में घायलों को इलाज के लिए जिला मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद एक बाइक सवार को ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया गया। जिसकी लखनऊ जाते समय रास्ते में मौत हो गई।जबकि दूसरी बाइक सवारों का इलाज जिला मेडिकल कॉलेज में चल रहा है।

गुरुवार देर शाम स्थानीय थाना क्षेत्र में बहन के घर इसरौली से सुल्तानपुर जा रहे अमेठी जनपद के जामों थाना क्षेत्र बरेहती गांव निवासी राज भवन(25)पुत्र राम कुमार कोरी कुड़वार सुल्तानपुर मार्ग पर भदहरा गांव के पास सामने से आ रही बाइक सवारों से भिड़ गया।दुर्घटना में दोनों बाइकों पर कुल 03 लोग घायल हुए। गम्भीर हालत में तीनों को इलाज के लिए जिला मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने राजभवन को ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया। जबकि दूसरी बाइक सवारों सुखनंदन पुत्र सियाराम व प्रदीप पुत्र राम सुरेमणि निवासीगढ़ बभनगवा थाना कुड़वार का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। लखनऊ ले जाते समय राजभवन की रास्ते में मौत हो गई।तो परिजन शव लेकर अपने घर बरेहती चले गए। मृतक युवक नगर कोतवाली क्षेत्र के काशी राम कालोनी अमहट में परिवार के साथ रहता था। जिसकी ससुराल स्थानीय थाना क्षेत्र के सोहगौली गांव निवासी बरसाती के यहां है।

प्रेमी से शादी के लिए निकली युवती, सपेरे संग बसाई दुनिया ; हाईकोर्ट तक पहुंचा मामला फिर बच्ची के साथ मिली

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जौनपुर में प्रेमी के साथ नई दुनिया बसाने के लिए घर से निकली सुजानगंज थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी लड़की का प्रेमी प्रयागराज पहुंचते ही अपने फैसले से पीछे हट गया। इसके बाद वह कानपुर चली गई और मंदिर में रहने के दौरान उसकी मुलाकात एक सपेरे से हुई और बाद में दोनों ने शादी कर ली। करीब डेढ़ साल तक लापता रही युवती आखिरकार कानपुर में अपने पति और पांच माह की बच्ची के साथ मिली। डेढ़ साल में युवती की तलाश में मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट तक पहुंचा और एक अज्ञात युवती के शव का डीएनए परीक्षण तक कराया गया।

पुलिस के मुताबिक सुजानगंज थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती गांव के ही दूसरी बिरादरी के युवक से प्रेम करती थी। दोनों के रिश्ते की जानकारी परिवार को हुई तो उन्होंने

घर छोड़कर साथ रहने की योजना बनाई। एक जनवरी 2025 को युवती घर से निकलकर प्रयागराज पहुंची लेकिन युवक डर के कारण पीछे हट गया। इसके बाद युवती घर नहीं लौटी और ट्रेन से कानपुर चली गई। परिजनों ने युवक पर संदेह जताते हुए प्राथमिकी दर्ज करा दी।

उधर, कानपुर में युवती एक मंदिर में रुकी। वहां उसने एक ई-रिक्शा चालक को अपनी परेशानी बताई। चालक ने उसे फोन दिया, जिससे उसने घर पर फोन लगाया लेकिन बात नहीं की। बाद में उसने प्रेमी को फोन कर कानपुर बुलाने का प्रयास किया। पुलिस के मुताबिक युवक ने बातचीत रिकॉर्ड कर पुलिस को सौंप दी और युवती के कानपुर में होने की जानकारी उसके परिवार को दी।

इधर, युवक के परिवार की ओर से इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई। कोर्ट ने युवक को राहत दिया और युवती को बरामद कर मामले की जांच के निर्देश पुलिस को दिए। पुलिस ने ई-रिक्शा चालक को खोज निकाला। उसने बताया कि युवती एक दिन उसके घर रुकी थी और फिर वहां से चली गई।

पुलिस ने मंदिर समेत कई स्थानों पर तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चला। कोर्ट के आदेश पर ई-रिक्शा चालक का नार्को टेस्ट कराने की तैयारी चल ही रही थी कि कानपुर में बोरे में एक युवती का शव मिलने की सूचना मिली। पुलिस ने शव का डीएनए परीक्षण कराया लेकिन वह लापता युवती का नहीं निकला। इसके बाद पुलिस ने गुमशुदा लोगों की तलाश के लिए एक पोर्टल पर युवती की फोटो अपलोड कर खोजबीन शुरू की। इसी दौरान युवती कानपुर में एक सपेरे के साथ मिली। पोर्टल के इस्तेमाल का यूपी पुलिस के आधिकारिक निर्देशों में भी उल्लेख है और गुमशुदा व्यक्तियों की तलाश में इसके उपयोग को बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। मामले के विवेचक सीओ सिटी गोल्डी गुप्ता ने बताया कि पूछताछ में युवती ने बताया कि मंदिर में रहने के दौरान उसकी मुलाकात सपेरे से हुई थी। वह उसे अपने घर ले गया, जहां परिवार के साथ रहने लगी। बाद में दोनों ने शादी कर ली। वह अपने पति के साथ बंगाल, महाराष्ट्र समेत अन्य राज्यों में भी गई। अब वह पांच माह की बच्ची की मां है। पुलिस ने युवती के बयान दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

लियाफी का त्रिवार्षिक चुनाव 18 अगस्त को, शांति व्यवस्था के लिए प्रशासन से मांगी सुरक्षा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। भारतीय जीवन बीमा निगम के अभिकर्ताओं के प्रमुख एवं मान्यता प्राप्त संगठन श्लाइफ इन्शुरन्स एजेंट्सश फेडरेशन ऑफ इंडिया (लियाफी 1964), शाखा - सुल्तानपुर का त्रिवार्षिक चुनाव आगामी 18 अगस्त 2026 (मंगलवार) को संपन्न होना निश्चित हुआ है। इस चुनाव को लेकर अभिकर्ताओं में खासा उत्साह है और प्रत्याशियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखी जा रही है। चुनाव समिति के पदाधिकारियों ने इस संबंध में जिले की पुलिस अधीक्षक चारू निगम को आधिकारिक पत्र प्रेषित कर मतदान के दिन सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण एवं पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने का अनुरोध किया है। समिति ने पत्र में स्पष्ट किया है कि मतदान केंद्र पर किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति को रोकने के लिए प्रशासन का सहयोग आवश्यक है। चुनाव समिति के अध्यक्ष शिव बहादुर यादव एवं चुनाव अध्यक्ष सिद्धनाथ त्रिपाठी ने जानकारी दी कि मतदान आदर्श मैरिज लॉन (सिविल लाइन्स, सुल्तानपुर) में आयोजित होगा। इस निर्वाचन में लगभग 800 से 1000 अभिकर्ता मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मतदान प्रातः 08रू00 बजे से सायं 04रू00 बजे तक चलेगा, जिसके तत्काल बाद सायं 05.00 बजे से मतगणना एवं परिणाम घोषित किए जाएंगे। चुनाव समिति का कहना है कि प्रत्याशियों के मध्य अत्यधिक गहमागहमी और कड़ा मुकाबला होने के कारण मतदान स्थल पर भारी भीड़ होने की संभावना है। चुनाव संचालन मंडल के सीमित सदस्यों के लिए सुरक्षा और कानून व्यवस्था को अकेले संभालना व्यावहारिक रूप से चुनौतीपूर्ण है।

मुठभेड़ में दो तस्करों को लगी गोली, पांच गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

सुल्तानपुर। अखंडनगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार तड़के पुलिस और मादक पदार्थ तस्करों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो आरोपियों के पैर में गोली लगी। पुलिस ने दोनों घायलों समेत गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 1 किलो 800 ग्राम अवैध मॉर्फिन, तमंचे, कारतूस और दो कारें बरामद की गई हैं। पुलिस ने बरामद मॉर्फिन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब साढे. पांच करोड़ रुपये बताई है। पुलिस के अनुसार घटना शुक्रवार सुबह करीब 4.30 बजे सहजनपुर अंडरपास के पास हुई। पुलिस को सूचना मिली थी कि मादक पदार्थ तस्करी से जुड़ा गिरोह डिलीवरी के लिए दो वाहनों से जा रहा है। सूचना के आधार पर अखंडनगर पुलिस ने अंडरपास के पास घेराबंदी कर वाहनों की निगरानी शुरू कर दी। इसी दौरान पुलिस को बलेनो और वरना कार आती दिखाई दीं। पुलिस टीम ने दोनों वाहनों को रोकने का प्रयास किया तो

आरोप है कि कार सवार लोगों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस के मुताबिक, आत्मरक्षा में की गई जवाबी कार्रवाई में दो आरोपी गोली लगने से घायल हो गए।

घायलों की पहचान बलरामपुर के जैतपुर निवासी खुर्शीद आलम और सुल्तानपुर के बल्दीराय निवासी प्रशांत सिंह के रूप में हुई है। दोनों को उपचार के लिए अखंडनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। पुलिस ने उनके पास से तमंचे, खोखा कारतूस और जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान गिरोह के तीन अन्य सदस्यों रोहित तिवारी, अंकुर प्रजापति और रामबाबू को भी गिरफ्तार कर लिया। दोनों वाहनों की तलाशी लेने पर पुलिस को कुल 1.8 किलो मादक पदार्थ मिला, जिसकी पहचान मॉर्फिन के रूप में की गई है। सीओ कादीपुर विनय कुमार के मुताबिक पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे मॉर्फिन ओडिशा से लाकर उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों में सप्लाई करते थे। इसके लिए वे अलग-अलग रास्तों का इस्तेमाल करते थे। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार को भी गिरोह के सदस्य मादक पदार्थ की डिलीवरी के लिए निकले थे। पुलिस ने बरामद मादक पदार्थ, असलहे, कारतूस और दोनों वाहनों को कब्जे में ले लिया है। आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पिता का कत्ल कर फोटो पर चढ़ाई माला... फिर मेट्रो के आगे कूदकर बेटे ने दे दी जान, नोएडा में सनसनीखेज वारदात

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। दिल्ली से सटे नोएडा के फेज 3 थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां बाप-बेटे के पवित्र रिश्ते का खौफनाक अंत हो गया। पिता द्वारा लगाई जा रही लगातार पाबंदियों और अत्यधिक सख्ती से मानसिक दबाव में आए 16 साल के एक नाबालिग ने सोते समय अपने पिता की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद उसने खून से सने कपड़े बदले, पिता की तस्वीर पर माला चढ़ाई, कमरे को बाहर से ताला लगाया और फिर मेट्रो के आगे कूदकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

इस दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया है। मृतक पिता की पहचान 45 वर्षीय राजू शर्मा के रूप में हुई है, जो मूल रूप से झारखंड के बोकारो स्टील सिटी के रहने वाले थे और नोएडा में ट्यूशन पढ़ाते थे। पुलिस द्वारा की गई शुरुआती जांच के अनुसार, घटना बुधवार देर रात की है। अजनारा सोसाइटी इलाके में किराए के कमरे में रह रहे राजू शर्मा जब सो रहे थे, तभी उनके नाबालिग बेटे ने कुल्हाड़ी से उन पर ताबड़तोड़ वार कर दिए, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

हत्या के बाद नाबालिग बेटे का व्यवहार चौंकाने वाला रहा। उसने शांति से अपने खून से सने कपड़े बदले और कमरे में रखी अपने पिता की फोटो पर फूल-माला चढ़ाई। इसके बाद उसने कमरे का दरवाजा बाहर से लॉक किया और पिता का मोबाइल व बैग लेकर निकल गया। वह सीधा मेट्रो स्टेशन पहुंचा, जहां कुछ देर इधर-उधर घूमने के बाद उसने आती हुई मेट्रो ट्रेन के आगे छलांग लगा दी। मौके पर ही उसकी भी मौत हो गई।

बैग में मिले मोबाइल से खुली खौफनाक वारदात की परतें

घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची मेट्रो पुलिस को नाबालिग के पास मिले बैग से एक मोबाइल और कमरे की चाबियां मिलीं। मोबाइल के आधार पर पुलिस ने नाबालिग की मां से संपर्क किया और घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही अलग रह रही मां और परिवार के अन्य लोग राजू शर्मा के किराए के कमरे पर पहुंचे। जब पुलिस की मौजूदगी में चाबी से दरवाजा खोला गया, तो अंदर का नजारा खौफनाक था। राजू शर्मा का शव खून से लथपथ पड़ा हुआ था और कमरे की दीवारों पर खून के छींटे फैले थे। पुलिस ने फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाकर वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

12 साल पहले माता-पिता का हुआ था तलाक, पढ़ाई छुड़ाने से तनाव में था बेटा

सेंट्रल जोन के DCP शैलेंद्र सिंह ने बताया कि जांच के दौरान सामने आया है कि राजू शर्मा वर्ष 2005 में अपनी पत्नी के साथ नोएडा आए थे, लेकिन करीब 12 साल पहले उनका तलाक हो गया था। इसके बाद से बेटा अपने पिता के साथ ही रह रहा था। आसपास के लोगों और परिजनों से पूछताछ में पता चला कि राजू शर्मा बेहद गुस्सैल स्वभाव के थे और उन्होंने अपने बेटे पर काफी कड़ी पाबंदियां लगा रखी थीं।

पिता को डर था कि बाहर निकलने पर बेटा गलत संगत में पड़ जाएगा, इसलिए उसे घर से बाहर निकलने तक की इजाजत नहीं थी। पढ़ाई को लेकर अत्यधिक सख्ती बरतते हुए पिता ने 11वीं कक्षा के बाद बेटे की पढ़ाई भी छुड़ा दी थी। लगातार हो रही इस कड़े व्यवहार और मानसिक तनाव के कारण नाबालिग काफी परेशान रहता था।

मानसिक दबाव बना खूनी अंत का कारण

पड़ोसियों के अनुसार, राजू शर्मा और उनके बेटे के बीच आए दिन पाबंदियों को लेकर विवाद होता रहता था। कई बार स्थानीय लोगों ने राजू शर्मा को समझाने की कोशिश की थी कि बच्चे पर इतनी सख्ती न करें, लेकिन वह किसी की बात नहीं सुनते थे। किसी को इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि लगातार बन रहा मानसिक दबाव एक दिन इतने खौफनाक मोड़ पर खत्म होगा। फिलहाल, पुलिस ने दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराकर मामले की विस्तृत कानूनी जांच शुरू कर दी है।

पिता का कत्ल कर फोटो पर चढ़ाई माला... फिर मेट्रो के आगे कूदकर बेटे ने दे दी जान, नोएडा में सनसनीखेज वारदात

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। दिल्ली से सटे नोएडा के फेज 3 थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां बाप-बेटे के पवित्र रिश्ते का खौफनाक अंत हो गया। पिता द्वारा लगाई जा रही लगातार पाबंदियों और अत्यधिक सख्ती से मानसिक दबाव में आए 16 साल के एक नाबालिग ने सोते समय अपने पिता की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद उसने खून से सने कपड़े बदले, पिता की तस्वीर पर माला चढ़ाई, कमरे को बाहर से ताला लगाया और फिर मेट्रो के आगे कूदकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

इस दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया है। मृतक पिता की पहचान 45 वर्षीय राजू शर्मा के रूप में हुई है, जो मूल रूप से झारखंड के बोकारो स्टील सिटी के रहने वाले थे और नोएडा में ट्यूशन पढ़ाते थे। पुलिस द्वारा की गई शुरुआती जांच के अनुसार, घटना बुधवार देर रात की है। अजनारा सोसाइटी इलाके में किराए के कमरे में रह रहे राजू शर्मा जब सो रहे थे, तभी उनके नाबालिग बेटे ने कुल्हाड़ी से उन पर ताबड़तोड़ वार कर दिए, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

हत्या के बाद नाबालिग बेटे का व्यवहार चौंकाने वाला रहा। उसने शांति से अपने खून से सने कपड़े बदले और कमरे में रखी अपने पिता की फोटो पर फूल-माला चढ़ाई। इसके बाद उसने कमरे का दरवाजा बाहर से लॉक किया और पिता का मोबाइल व बैग लेकर निकल गया। वह सीधा मेट्रो स्टेशन पहुंचा, जहां कुछ देर इधर-उधर घूमने के बाद उसने आती हुई मेट्रो ट्रेन के आगे छलांग लगा दी। मौके पर ही उसकी भी मौत हो गई।

बैग में मिले मोबाइल से खुली खौफनाक वारदात की परतें

घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची मेट्रो पुलिस को नाबालिग के पास मिले बैग से एक मोबाइल और कमरे की चाबियां मिलीं। मोबाइल के आधार पर पुलिस ने नाबालिग की मां से संपर्क किया और घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही अलग रह रही मां और परिवार के अन्य लोग राजू शर्मा के किराए के कमरे पर पहुंचे। जब पुलिस की मौजूदगी में चाबी से दरवाजा खोला गया, तो अंदर का नजारा खौफनाक था। राजू शर्मा का शव खून से लथपथ पड़ा हुआ था और कमरे की दीवारों पर खून के छींटे फैले थे। पुलिस ने फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाकर वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

12 साल पहले माता-पिता का हुआ था तलाक, पढ़ाई छुड़ाने से तनाव में था बेटा

सेंट्रल जोन के DCP शैलेंद्र सिंह ने बताया कि जांच के दौरान सामने आया है कि राजू शर्मा वर्ष 2005 में अपनी पत्नी के साथ नोएडा आए थे, लेकिन करीब 12 साल पहले उनका तलाक हो गया था। इसके बाद से बेटा अपने पिता के साथ ही रह रहा था। आसपास के लोगों और परिजनों से पूछताछ में पता चला कि राजू शर्मा बेहद गुस्सैल स्वभाव के थे और उन्होंने अपने बेटे पर काफी कड़ी पाबंदियां लगा रखी थीं।

पिता को डर था कि बाहर निकलने पर बेटा गलत संगत में पड़ जाएगा, इसलिए उसे घर से बाहर निकलने तक की इजाजत नहीं थी। पढ़ाई को लेकर अत्यधिक सख्ती बरतते हुए पिता ने 11वीं कक्षा के बाद बेटे की पढ़ाई भी छुड़ा दी थी। लगातार हो रही इस कड़े व्यवहार और मानसिक तनाव के कारण नाबालिग काफी परेशान रहता था।

मानसिक दबाव बना खूनी अंत का कारण

पड़ोसियों के अनुसार, राजू शर्मा और उनके बेटे के बीच आए दिन पाबंदियों को लेकर विवाद होता रहता था। कई बार स्थानीय लोगों ने राजू शर्मा को समझाने की कोशिश की थी कि बच्चे पर इतनी सख्ती न करें, लेकिन वह किसी की बात नहीं सुनते थे। किसी को इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि लगातार बन रहा मानसिक दबाव एक दिन इतने खौफनाक मोड़ पर खत्म होगा। फिलहाल, पुलिस ने दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराकर मामले की विस्तृत कानूनी जांच शुरू कर दी है।

सीसीएसयू के अटल सभागार में किया गया विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस कार्यक्रम का आयोजन

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय स्थित अटल सभागार में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में वर्ष 1947 की त्रासदी को याद किया गया। इस दौरान प्रदर्शनी, फिल्म और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से विभाजन के दौरान विस्थापन, हिंसा और अपनों से बिछड़ने की पीड़ा को सामने रखा गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मा0 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डा0 सोमेन्द्र तोमर ने अन्य अतिथियों के साथ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, आमजन और स्कूली छात्र-छात्राओं ने विभाजन विभीषिका स्मृति प्रदर्शनी का अवलोकन किया। विभाजन पर आधारित फिल्म ने उस दौर की मानवीय त्रासदी को जीवंत कर दिया। स्कूली बच्चों की देशभक्ति एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभागार राष्ट्रप्रेम से सराबोर हो गया।

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डा0 सोमेन्द्र तोमर ने कहा कि विभाजन इतिहास का ऐसा दर्दनाक अध्याय है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। वर्तमान सरकार ने विभाजन की सच्चाई को सामने लाने का काम किया है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश विश्व गुरु बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, वहीं मुख्यमंत्री ने विस्थापित परिवारों को मकान और जमीन उपलब्ध कराने का काम किया है। उन्होंने कहा कि विभाजन से मिली सीख को आत्मसात करते हुए देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रहित को सदैव सर्वोपरि रखना चाहिए।

विधायक मेरठ कैंट अमित अग्रवाल ने कहा कि विभाजन के समय अपना घर-बार छोड़कर भारत आए परिवारों ने कठिन परिस्थितियों में नया जीवन शुरू किया।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर मुख्यमंत्री योगी ने कहा—भारत की एकता हमारी शक्ति, अखण्डता हमारी जिम्मेदारी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस केवल एक स्मृति दिवस नहीं, बल्कि वर्ष 1947 की भीषण त्रासदी से सीख लेने का अवसर है। यह त्रासदी विश्व मानवता के इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक है। विभाजन के कारण करोड़ों हिंदुओं को अपनी मातृभूमि और जन्मभूमि से विस्थापित होना पड़ा, जबकि लाखों हिंदू, सिख, बौद्ध और जैन नागरिकों को इसकी पीड़ा झेलनी पड़ी।मुख्यमंत्री शुक्रवार को लोक भवन में विभाजन विभीषिका त्रासदी पर आधारित प्रदर्शनी, लाइव पेंटिंग और लघु फिल्म का अवलोकन करने के बाद आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने विभाजन से विस्थापित परिवारों के सदस्यों को सम्मानित किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने जीपीओ स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल पार्क में सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और प्रतिमा स्थल से लोक भवन तक मौन पदयात्रा में हिस्सा लिया।मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता संग्राम के सभी क्रांतिकारियों

और बलिदानियों को नमन करते हुए कहा कि विभाजन के समय विस्थापित परिवारों की पीड़ा को सुनने वाला कोई नहीं था। यह आत्ममंथन जरूरी है कि विभाजन की स्थिति क्यों उत्पन्न हुई और इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ क्या कार्रवाई हुई। उन्होंने कहा कि इतिहास केवल परीक्षा का विषय नहीं, बल्कि गौरवशाली क्षणों से प्रेरणा लेने और अतीत की गलतियों का परिमार्जन करने का माध्यम है।योगी ने कहा कि भारत कभी धन-धान्य और वैभव से परिपूर्ण देश था। 16वीं-17वीं शताब्दी में विश्व अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी 24 से 25 प्रतिशत तक बताई जाती थी। इसके बावजूद भारत गुलाम हुआ। उन्होंने कहा कि आपसी अंतर्विरोध और षड्यंत्र इसके प्रमुख कारण रहे। जाति, क्षेत्र और भाषा के आधार पर पैदा किए गए मतभेदों ने देश को कमजोर किया और बाहरी ताकतों को षड्यंत्र करने का अवसर दिया।उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, राजगुरु, राम प्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह, चंद्रशेखर आजाद, रानी लक्ष्मीबाई, तात्या टोपे और वीर सावरकर जैसे अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। इसके बावजूद देश को विभाजन की पीड़ा झेलनी पड़ी और इसकी कीमत आज भी आतंकवाद, नक्सलवाद, माओवाद और उग्रवाद के रूप में चुकानी पड़ रही है।मुख्यमंत्री ने कहा कि विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस उन घटनाओं की ओर भी ध्यान आकर्षित करता है, जिन पर लंबे समय तक चर्चा नहीं हुई। उन्होंने कहा कि जिन क्रांतिकारियों ने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया, उन्हें भुला दिया गया, जबकि सत्ता और स्वार्थ के लिए देश के विभाजन में भूमिका निभाने वाले लोग सत्ता में स्थापित हो गए। उन्होंने वर्तमान और भावी पीढ़ी से इतिहास की इन घटनाओं से सीख लेने का आह्वान किया।नागरिकता संशोधन कानून का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश से उत्पीड़न के कारण भारत आए हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई समुदाय के लोगों को नागरिकता देने का प्रावधान किया गया। उन्होंने कहा कि इस कानून में किसी की जमीन या संपत्ति छीनने का प्रावधान नहीं था, इसके बावजूद कई स्थानों पर विरोध और हिंसा के प्रयास हुए। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में लखनऊ, कानपुर, मेरठ, संभल, अलीगढ़, बुलंदशहर, मुजफ्फरनगर और सहारनपुर सहित कई स्थानों पर आगजनी के प्रयास हुए।उन्होंने कहा कि भारत की एकता और अखंडता प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। व्यक्तिगत स्तर पर किसी की पहचान पंजाबी, बंगाली, मराठी, तमिल, कन्नड़ या मलयाली हो सकती है, लेकिन सबसे बड़ी पहचान भारतीय की होनी चाहिए।

अयोध्या पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, परमहंस रामचंद्र दास महाराज की 23वीं पुण्यतिथि पर अर्पित की श्रद्धांजलि, रामलला के दर्शन कर संतों का लिया आशीर्वाद

लखनऊ। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को एक दिवसीय दौरे पर अयोध्या पहुंचे। मुख्यमंत्री ने अपने दौरे की शुरुआत रामकथा पार्क स्थित ब्रह्मलीन परमहंस रामचंद्र दास महाराज के समाधि स्थल पर पहुंचकर पुष्पार्चन से की। श्रीराम जन्मभूमि न्यास के प्रथम अध्यक्ष रहे परमहंस रामचंद्र दास महाराज की 23वीं पुण्यतिथि के अवसर पर मुख्यमंत्री ने उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में संत-महंत और श्रद्धालु मौजूद रहे।परमहंस रामचंद्र दास महाराज का अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान रहा था। गोरक्षपीठ के ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ के साथ वह रामजन्मभूमि आंदोलन के प्रमुख संतों में शामिल रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भी परमहंस रामचंद्र दास महाराज से आत्मीय संबंध रहा है। उनकी पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री की मौजूदगी से संत समाज में विशेष उत्साह देखने को मिला। समाधि स्थल पर मुख्यमंत्री ने विधिवत पूजा-अर्चना कर पुष्पांजलि अर्पित की और उनके योगदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया। संत-महंतों ने भी ब्रह्मलीन संत को श्रद्धांजलि अर्पित की।समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हनुमानगढ़ी पहुंचे। यहां उन्होंने बजरंगबली के दर्शन-पूजन किए और प्रदेश तथा देश की सुख-समृद्धि की कामना की। हनुमानगढ़ी में दर्शन-पूजन के बाद मुख्यमंत्री इमली बाग पहुंचे, जहां उन्होंने स्वर्गीय महंत संत रामदास को श्रद्धांजलि अर्पित की।इसके बाद मुख्यमंत्री श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर पहुंचे और रामलला के दर्शन-पूजन किए। उन्होंने मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर रामलला का आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री के अयोध्या आगमन को देखते हुए मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में श्रद्धालुओं में भी खासा उत्साह रहा।रामलला के दर्शन के बाद मुख्यमंत्री दिगंबर अखाड़ा पहुंचे, जहां ब्रह्मलीन परमहंस रामचंद्र दास महाराज के 23वें पुण्य स्मृति महोत्सव में शामिल हुए। यहां उन्होंने संत-महंतों से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में संत समाज के अनेक प्रमुख संतों की मौजूदगी रही। मुख्यमंत्री ने संतों के साथ धार्मिक और आध्यात्मिक विषयों पर भी संवाद किया।मुख्यमंत्री अपने अयोध्या दौरे के दौरान रायगंज स्थित संत रविदास मंदिर भी पहुंचे। उन्होंने संत रविदास को नमन किया और मंदिर के स्वर्गीय महंत पूज्य बनवारी पति ब्रह्मचारी को पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं और संत समाज ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया।मुख्यमंत्री के पूरे अयोध्या दौरे में धार्मिक आस्था और संत परंपरा के प्रति सम्मान का भाव देखने को मिला। परमहंस रामचंद्र दास महाराज की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के साथ मुख्यमंत्री ने हनुमानगढ़ी में बजरंगबली के दर्शन, श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के पूजन और संत रविदास मंदिर में श्रद्धांजलि अर्पित कर अयोध्या के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर अपनी आस्था प्रकट की। उनके दौरे के दौरान संतों और श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह नजर आया।

स्वतंत्रता दिवस पर पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए सभी के सुख, समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की है। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर जारी संदेश में उन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों और वीर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन किया।

पर्यटन मंत्री ने कहा कि देश की स्वतंत्रता असंख्य वीरों के त्याग, संघर्ष और बलिदान का परिणाम है। आजादी के लिए अनेक वीरों ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया, जिसके फलस्वरूप देशवासियों को स्वतंत्रता प्राप्त हुई। प्रत्येक वर्ष 15 अगस्त हमें स्वतंत्रता संग्राम के उन ज्ञात और अज्ञात शहीदों को स्मरण करने तथा उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है।उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल राष्ट्रीय उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि देश के प्रति अपने दायित्वों और जिम्मेदारियों को याद करने का भी दिन है। स्वतंत्रता सेनानियों ने जिस भारत का सपना देखा था, उसे साकार करने की जिम्मेदारी आज प्रत्येक नागरिक की है। देश की प्रगति और समृद्धि में हर नागरिक का योगदान महत्वपूर्ण है।जयवीर सिंह ने प्रदेशवासियों का आह्वान किया कि वे 15 अगस्त के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक विकसित भारत और विश्वगुरु बनाने के संकल्प को पूरा करने के लिए पूरी निष्ठा, लगन और समर्पण के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि देश को विकसित और आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य की प्राप्ति में समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र को महान बनाने में उसके नागरिकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। नागरिक अपने-अपने क्षेत्र में ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और जिम्मेदारी के साथ कार्य करके राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। देश की प्रगति केवल सरकार के प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी।पर्यटन मंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता के वीर सपूतों ने जिस भारत के निर्माण के लिए अपना जीवन समर्पित किया, उस नए भारत के निर्माण की जिम्मेदारी आज हम सभी के कंधों पर है। इसलिए 15 अगस्त को स्वतंत्रता संग्राम के वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ-साथ उनके सपनों और संकल्पों को पूरा करने के लिए स्वयं को समर्पित करने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने प्रदेशवासियों से देश की एकता, अखंडता और विकास के लिए मिलकर कार्य करने की अपील की।

विभाजन की पीड़ा और विस्थापन के संघर्ष को किया याद, बीबीएयू में मनाया गया विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय में शुक्रवार को आजादी का अमृत महोत्सव समिति की ओर से विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की। इस दौरान विभाजन के समय विस्थापित हुए लोगों की पीड़ा, संघर्ष और उनके पुनर्वास की कठिन परिस्थितियों को याद करते हुए युवा पीढ़ी को इतिहास से सीख लेने और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संदेश दिया गया। कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने कहा कि विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह देश के उस कठिन दौर की याद दिलाता है, जब स्वतंत्रता के लिए असंख्य लोगों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया।

संक्षेप

विषय अध्यापकों की कमी और अनियमितताओं को लेकर सर्वोदय विद्यालय के छात्रों का प्रदर्शन

लखनऊ। पारा थाना क्षेत्र स्थित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय, मोहन रोड के विद्यार्थियों ने शुक्रवार सुबह विद्यालय में विषय अध्यापकों की कमी और कथित अनियमितताओं को लेकर विद्यालय परिसर से बाहर निकलकर प्रदर्शन किया। छात्रों के बुद्धेश्वर-मोहन रोड पर आ जाने से कुछ समय के लिए आवागमन बाधित हो गया और सड़क पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई।प्रदर्शन की सूचना मिलते ही पारा थाना पुलिस की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और विद्यार्थियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली। बातचीत के दौरान विद्यार्थियों ने बताया कि विद्यालय में विषय अध्यापकों की कमी के कारण उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। छात्रों ने विद्यालय में कुछ अन्य अनियमितताओं की शिकायत भी पुलिस के सामने रखी।पुलिस टीम ने विद्यार्थियों को समझाते हुए सड़क से हटकर विद्यालय परिसर में वापस जाने के लिए कहा। समझाने-बुझाने के बाद विद्यार्थी सड़क से हटकर विद्यालय परिसर में चले गए। इसके बाद पुलिस ने मार्ग पर लगा जाम पूरी तरह खुलवाया और यातायात को सुचारु करा दिया।पुलिस के अनुसार वर्तमान में सभी विद्यार्थियों को विद्यालय के मीटिंग हॉल में शांतिपूर्वक बैठाया गया है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों और विद्यालय के शिक्षक विद्यार्थियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं की जानकारी ले रहे हैं तथा उनके समाधान के संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।मौके पर सहायक पुलिस आयुक्त काकोरी के नेतृत्व में पर्याप्त पुलिस बल तैनात है। पुलिस द्वारा शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। फिलहाल स्थिति सामान्य और शांतिपूर्ण है तथा बुद्धेश्वर-मोहन रोड पर यातायात सामान्य रूप से संचालित हो रहा है।

पूर्व पत्नी ने तवे से किया हमला, घायल पति की इलाज के दौरान मौत; पुलिस हिरासत में आरोपी महिला

लखनऊ। जानकीपुरम थाना क्षेत्र में पूर्व पति-पत्नी के बीच विवाद के दौरान हुई मारपीट में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोप है कि विवाद के दौरान पूर्व पत्नी ने तवे से उसके सिर पर प्रहार कर दिया। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी पूर्व पत्नी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार 13 अगस्त 2026 को थाना जानकीपुरम पुलिस को सूचना मिली कि आशीष सोनी, निवासी आशियाना, लखनऊ अपनी पूर्व पत्नी तपस्या सिंह के कौशल्या गार्डन स्थित घर पहुंचा था। दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद के दौरान तपस्या सिंह द्वारा आशीष सोनी के सिर पर तवे से प्रहार किए जाने की बात सामने आई है।सिर पर गंभीर चोट लगने के बाद आशीष सोनी को तत्काल उपचार के लिए ट्रॉमा सेंटर, जानकीपुरम ले जाया गया। हालत गंभीर होने के कारण चिकित्सकों ने उसे बेहतर उपचार के लिए किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी रेफर कर दिया। उपचार के दौरान आशीष सोनी की मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही जानकीपुरम थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। मृतक के शव के संबंध में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के लिए पुलिस टीम केजीएमयू भेजी गई है।पुलिस ने घटना के संबंध में मृतक की पूर्व पत्नी तपस्या सिंह को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

ओवरटेक को लेकर दो पक्षों में कहासुनी, सोशल मीडिया पर फायरिंग की खबर से मचा हड़कंप; पुलिस जांच में नहीं हुई पुष्टि

लखनऊ। ठाकुरगंज थाना क्षेत्र में 13 अगस्त की रात वाहन ओवरटेक करने को लेकर बाइक और स्कॉर्पियो-एन सवार लोगों के बीच कहासुनी और विवाद हो गया। घटना की सूचना मिलते ही गश्त कर रही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। इस दौरान सोशल मीडिया पर विवाद के दौरान फायरिंग किए जाने की खबर प्रसारित हुई, लेकिन पुलिस की मौके पर जांच और पूछताछ में फायरिंग की घटना की पुष्टि नहीं हो सकी।पुलिस के अनुसार 13 अगस्त 2026 को रात करीब 11 बजे गोलू होटल के पास बाइक संख्या यूपी 32 एचएक्स 9102 और स्कॉर्पियो-एन संख्या यूपी 32 पीएक्स 3334 सवार लोगों के बीच वाहन को ओवरटेक करने को लेकर कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने की सूचना पर गश्त कर रहे पुलिसकर्मी तत्काल मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों को शांत कराया।पुलिस के मौके पर पहुंचने के दौरान स्कॉर्पियो-एन सवार एक व्यक्ति वहां से चला गया। मौके पर मौजूद अन्य लोगों को शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से चौकी भूहर लाया गया। पुलिस ने पूछताछ के दौरान उनकी पहचान शुभम सिंह पुत्र रणवीर सिंह निवासी मवई खुर्द, थाना माल, मनीष सिंह चौहान पुत्र छुटकऊ सिंह निवासी गोपरामऊ, थाना माल और प्रमोद सिंह यादव पुत्र स्वर्गीय दया प्रसाद निवासी ग्राम पलहरी, थाना सैरपुर, लखनऊ के रूप में की।घटना के बाद सोशल मीडिया पर विवाद के दौरान फायरिंग किए जाने की खबर प्रसारित होने लगी।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के लिए 14 से 24 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन, प्रदेश में छह परियोजनाओं के लिए मिलेगा लाभ

लखनऊ, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के मत्स्य विकास मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने शुक्रवार को मत्स्य निदेशालय में आयोजित कार्यक्रम में बताया कि भारत सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2020-21 से संचालित प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) की अवधि सितंबर 2026 तक बढ़ा दी गई है। योजना के अंतर्गत उपलब्ध अवशेष लक्ष्यों के सापेक्ष पात्र लाभार्थियों को लाभ पहुंचाने के लिए विभागीय पोर्टल पर 14 अगस्त से 24 अगस्त 2026 तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।मत्स्य विकास मंत्री ने बताया कि योजना के अंतर्गत विभिन्न परियोजनाओं का विस्तृत विवरण, इकाई लागत, पात्रता, आवेदन की प्रक्रिया, आवेदन के साथ लगाए जाने वाले आवश्यक अभिलेख और अन्य संबंधित जानकारी विभागीय पोर्टल पर उपलब्ध है। इच्छुक एवं पात्र लाभार्थी निर्धारित अवधि के भीतर विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।उन्होंने बताया कि प्रदेश में मत्स्य विकास की व्यापक संभावनाओं को देखते हुए उपलब्ध जल संसाधनों का वैज्ञानिक एवं तकनीकी दृष्टिकोण से समुचित उपयोग सुनिश्चित करने और मत्स्य पालकों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत विभिन्न परियोजनाओं के लिए आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं।

स्वतंत्रता दिवस पर बीएसएनएल का बड़ा ऑफर, एक रुपये में 24 दिन की सेवा और 2,399 रुपये के रिचार्ज पर 47 दिन अतिरिक्त वैधता

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने अपने ग्राहकों के लिए कई विशेष प्रचारात्मक योजनाएं शुरू की हैं। उत्तर प्रदेश (पूर्व) परिमंडल की ओर से जारी जानकारी के अनुसार मोबाइल और फाइबर ब्रॉडबैंड ग्राहकों को किफायती दरों पर अतिरिक्त सुविधाएं और लंबी वैधता का लाभ दिया जा रहा है। बीएसएनएल ने इस अवसर पर कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन, स्वदेशी 4जी नेटवर्क के विस्तार और दूरदराज क्षेत्रों में डिजिटल कनेक्टिविटी बढ़ाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की भी जानकारी दी।बीएसएनएल के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का कुल कलेक्शन 21,462 करोड़ रुपये रहा, जो वित्त वर्ष 2024-25 की तुलना में 2,324 करोड़ रुपये अधिक है। वित्त वर्ष 2025-26 तथा वित्त वर्ष 2026-27 की अब तक की सभी तिमाहियों में ईबीआईटीडीए लगातार सकारात्मक रहा है। कंपनी की 4जी और एफटीटीएच सेवाओं में औसत राजस्व प्रति ग्राहक में भी निरंतर वृद्धि दर्ज की जा रही है।उत्तर प्रदेश (पूर्व) परिमंडल में कोर सेवाओं से प्राप्त राजस्व में 10.44 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह पिछले वर्ष के 699 करोड़ रुपये से बढ़कर 772 करोड़ रुपये पहुंच गया है। वित्त वर्ष 2026-27 में संचालन से प्राप्त राजस्व में तीन प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। उद्यम कारोबार में लीज्ड सर्किट के आधार पर 11 प्रतिशत और सीएफए में छह प्रतिशत की वृद्धि हुई है।बीएसएनएल ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ग्राहकों के लिए एफआरसी एक रुपया फ्रीडम 2.0 ऑफर पेश किया है।

अमौसी मेट्रो स्टेशन के पास अज्ञात पिकअप की टक्कर से युवक की मौत, सीसीटीवी से चालक की तलाश

लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में अमौसी मेट्रो स्टेशन के पास गुरुवार रात हुए सड़क हादसे में 33 वर्षीय युवक की मौत हो गई। बताया गया कि युवक सीए फर्म में काम करके बाइक से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान मदीना मस्जिद के पास एक अज्ञात पिकअप वाहन ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और उपचार के लिए ले जाते समय उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान रजनीकांत तिवारी पुत्र विजय नारायण तिवारी, निवासी बगही, थाना केराकत, जनपद जौनपुर, उम्र करीब 33 वर्ष, के रूप में हुई है। वह वर्तमान में दरोगा खेड़ा, थाना सरोजनीनगर, लखनऊ में रह रहे थे। 13 अगस्त की रात करीब 8:30 बजे वह पत्रकारपुरम, गोमतीनगर स्थित एक सीए फर्म में काम करने के बाद घर लौट रहे थे।

डिप्टी सीएम ने हिंदुजा मोबाइल हेल्थ यूनिट्स को दिखाई हरी झंडी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने की दिशा में उत्तर प्रदेश सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है। स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन, उत्तर प्रदेश शासन और पीडी हिंदुजा हॉस्पिटल एंड मेडिकल रिसर्च सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को हिंदुजा मोबाइल हेल्थ यूनिट्स की शुरुआत की गई। शहीद पथ स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के मातृ एवं शिशु रेफरल अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने मोबाइल हेल्थ यूनिट्स को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने 'सेविंग लाइव्स एंड बिल्डिंग ए हेल्थियर भारत' राष्ट्रीय अभियान की भी शुरुआत की। उन्होंने कहा कि प्रदेश के ऐसे ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जहां लोगों को सामान्य जांच और उपचार के लिए भी दूर स्थित अस्पतालों तक जाना पड़ता है। मोबाइल हेल्थ यूनिट्स के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को लोगों के घर-द्वार के करीब पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

ब्रजेश पाठक ने कहा कि मोबाइल हेल्थ यूनिट्स के जरिए लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य जांच, विभिन्न बीमारियों की पहचान और आवश्यक चिकित्सा परामर्श उपलब्ध कराया जाएगा। इन यूनिट्स का उद्देश्य उन क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना है, जहां स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच अपेक्षाकृत कठिन है। इससे ग्रामीण आबादी को समय पर जांच कराने और बीमारी की शुरुआती अवस्था में ही उपचार प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

जनसेवा केंद्र संचालक से लूट का खुलासा, चार शातिर गिरफ्तार, डेढ़ लाख नकद समेत लूट की रकम से खरीदे दो मोबाइल बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। गोसाईगंज थाना क्षेत्र में जनसेवा केंद्र संचालक से हुई लूट की घटना का सर्विलांस सेल जोन दक्षिणी और गोसाईगंज पुलिस की संयुक्त टीम ने खुलासा करते हुए चार शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 1.50 लाख रुपये नकद, लूट की रकम से खरीदे गए आईफोन 12 प्रो और ओप्पो एफ-33 मोबाइल फोन, वादी के आधार कार्ड, पैन कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस, घटना में प्रयुक्त अपाचे मोटरसाइकिल तथा लकड़ी का डंडा बरामद किया है। बरामद दोनों मोबाइल फोन की अनुमानित कीमत करीब 70 हजार रुपये बताई गई है।पुलिस के अनुसार, 6 अगस्त 2026 को राहुल कुमार पुत्र काशीराम निवासी महुरा खुर्द, थाना गोसाईगंज अपनी दुकान बंद कर घर जा रहे थे। इसी दौरान मोटरसाइकिल सवार

बदमाशों ने उन्हें रास्ते में रोक लिया और डंडे से हमला कर गिराने के बाद उनका बैग लूटकर फरार हो गए। मामले में राहुल कुमार की तहरीर पर गोसाईगंज थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था।घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के निर्देश पर पांच पुलिस टीमों का गठन किया गया। जांच में सर्विलांस सेल को भी लगाया गया। पुलिस टीमों ने घटना के आसपास के मार्गों पर लगे करीब 150 से 200 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य जुटाए। लगातार की गई जांच के बाद पुलिस को बदमाशों के बारे में अहम सुराग मिले और 14 अगस्त की रात चार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान अरुण कुमार उर्फ गोल्डी पुत्र कंठलाल रावत निवासी पद्मिनीखेड़ा, थाना मोहनलालगंज, उम्र करीब 23 वर्ष, शिवा पुत्र मनोज कुमार निवासी पद्मिनीखेड़ा, थाना मोहनलालगंज, उम्र करीब 21 वर्ष, चंचल यादव उर्फ लाला पुत्र राधाकांत यादव निवासी सरायजोगा, थाना सोहरामऊ, उन्नाव, उम्र करीब 21 वर्ष तथा शुभम रावत पुत्र राकेश कुमार निवासी औलाद अली का पुरवा, थाना गोसाईगंज, उम्र करीब 20 वर्ष के रूप में हुई है।पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए लूट की योजना बनाई थी। पुलिस के मुताबिक, शुभम रावत को जानकारी थी कि राहुल कुमार जनसेवा केंद्र चलाते हैं और रात में दुकान बंद करने के बाद अकेले घर जाते हैं। उनके पास अक्सर नकदी रहती थी। इसी जानकारी के आधार पर आरोपियों ने राहुल की रेकी की और वारदात को अंजाम देने की योजना बनाई।आरोपियों के मुताबिक घटना वाले दिन राहुल के दुकान से निकलने की सूचना मिलने के बाद सभी लोग रास्ते में घात लगाकर बैठ गए। जैसे ही वह महुराकला से महुरा खुर्द की ओर जाने वाली सड़क पर पहुंचे, आरोपियों ने डंडे से हमला कर उन्हें गिरा दिया और बैग लेकर फरार हो गए। लूट की रकम में से आरोपियों ने मोबाइल फोन खरीदे और अलग-अलग होटलों में पार्टी की।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 1.50 लाख रुपये नकद, आईफोन 12 प्रो, ओप्पो एफ-33, वादी का आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और घटना में प्रयुक्त अपाचे मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल लकड़ी का डंडा भी बरामद किया है।जांच के दौरान गिरफ्तार अभियुक्त शिवा का आपराधिक इतिहास भी सामने आया। उसके खिलाफ थाना मोहनलालगंज में वर्ष 2025 में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज है। पुलिस अन्य गिरफ्तार अभियुक्तों के आपराधिक इतिहास की भी जांच कर रही है।पुलिस ने लूट से संबंधित मुकदमे में आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए चारों अभियुक्तों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। पूरी कार्रवाई पुलिस आयुक्त तरुण गाबा और संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय अपर्णा कुमार के निर्देश पर पुलिस उपायुक्त दक्षिणी मो. मुश्ताक के पर्यवेक्षण तथा अपर पुलिस उपायुक्त दक्षिणी रल्लापल्ली वसंथ कुमार और सहायक पुलिस आयुक्त गोसाईगंज ऋषभ यादव के मार्गदर्शन में की गई। सफल अनावरण करने वाली पुलिस टीम को प्रशस्ति पत्र और 15 हजार रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

संसदीय समिति की रिपोर्ट से उठते सवाल- प्राइवेट अस्पतालों और स्कूलों की लूट पर कब लगेगी लगाम?

पिछले कुछ वर्षों के दौरान देश में प्राइवेट यानी निजी अस्पतालों, स्कूलों और कॉलेजों की बाढ़ सी आ गई है। देश के राज्य और जिले तो छोड़िए , अब तो छोटे-छोटे शहरों में भी खुलते जा रहे नर्सिंग होम और स्कूल लोगों की जेब काटने का कोई मौका नहीं चूक रहे हैं। देश का गरीब तबका तो छोड़िए, मध्यम आय और उच्च मध्यम आय की कैटेगरी में आने वाले लोग भी इनकी लूट से परेशान होते जा रहे हैं। ऐसे में प्राइवेट अस्पतालों को लेकर आई संसदीय समिति की एक रिपोर्ट ने फिर से इस घाव को ताजा कर दिया है। एक बार फिर से वही पुराना सवाल उठ कर खड़ा हो गया है कि खुली लूट का अड्डा बन चुके प्राइवेट अस्पतालों, स्कूलों और कॉलेजों की मनमानी पर आखिर कब लगाम लगेगी? देश के प्राइवेट अस्पताल, भर्ती होने वाले मरीजों/उनके परिजनों से कमरे का जो किराया वसूलते है, यह उसी इलाके के महंगे होटलों से भी कई गुना ज्यादा होता है। ध्यान दीजिएगा, इलाज के नाम पर जो बाकी चार्ज लिए जाते हैं वो कमरे के चार्ज में अलग से जोड़ा जाता है। यह सारे खुलासे केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से जुड़ी संसद की स्थायी समिति की रिपोर्ट से हुए हैं। समिति की रिपोर्ट के मुताबिक, सरकारी अस्पतालों में इलाज का खर्च औसतन 6,631 रुपए है जबकि प्राइवेट अस्पतालों में यही खर्च साढ़े सात गुने से भी ज्यादा (50,508 रुपए) है। इलाज के नाम पर भी अनाप-शनाप वसूली की जाती है। बिल में पारदर्शिता नहीं होती है, गंभीर इलाज या सर्जरी से पहले मरीज को फाइनल खर्च का एस्टिमेट नहीं बताया जाता है। नतीजा प्राइवेट अस्पतालों की मनमानी बेलगाम होती जा रही है और जिसकी जो मर्जी वो वसूल रहा है। मुंबई के नानावटी अस्पताल में कमरे का चार्ज 6 से 12 हजार रुपए प्रतिदिन है जबकि उसी इलाके के 3 स्टार होटल में कमरे कमरे का चार्ज 2500 से लेकर 4500 रुपए के बीच ही है। दिल्ली के साकेत में स्थित मैक्स अस्पताल में भर्ती मरीज से अस्पताल वाले 7-11 हजार रुपए प्रतिदिन कमरे का चार्ज वसूलते है जबकि अस्पताल के पास ही स्थित होटल में आपको 2100 से 3500 रुपए प्रतिदिन के आधार पर बढ़िया कमरा मिल सकता है। यही हाल देश के ज्यादातर शहरों में प्राइवेट अस्पतालों का है।

समिति ने सरकार को कुछ सुझाव देते हुए यह सिफारिश की है कि, प्राइवेट अस्पताल के कमरे का किराया 3 स्टार होटल के किराए से अधिक नहीं होनी चाहिए। भर्ती से पहले अस्पताल को इलाज का पूरा खर्च स्पष्ट रूप से बताना चाहिए। सर्जरी और गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए फिक्स रेट तय होना चाहिए और उसमें सभी खर्चे शामिल होने चाहिए। इसके अलावा भी संसदीय समिति ने कई महत्वपूर्ण सिफारिश करते हुए सरकार की भूमिका पर भी सवाल उठाए है। समिति ने स्पष्ट तौर पर सरकार को सरकारी अस्पतालों में बेड और विशेषज्ञ डॉक्टरों की संख्या बढ़ाने को कहा है। हालांकि यह सब जानते हैं कि सरकार ऐसा करेगी नहीं। लेकिन इस बात का भी ध्यान रखना जरूरी है कि स्वास्थ्य मंत्रालय समिति की रिपोर्ट की आड़ लेकर कहीं वैसा ही खेल न कर दें जैसा कि CGHS चार्ज के मामले में किया गया है। सरकार को यह याद दिलाना बेहद जरूरी है कि दिल्ली या मुंबई के महंगे अस्पतालों में इलाज का खर्च इन शहरों के हिसाब से है वहीं देश के दूर-दराज इलाकों में इलाज का खर्च उस इलाके के आधार पर है। डर इस बात का है कि कहीं CGHS में जो गलतियां की गई है,उसी तरह की गलती को इस मामले में दोहराते हुए दिल्ली या मुंबई के आधार पर इलाज और सर्जरी का फिक्स रेट पूरे देश के लिए न तय कर दिया जाए। ऐसे हालात में दूर-दराज के इलाकों में चलने वाले प्राइवेट अस्पताल सरकारी आदेश का हवाला देते हुए कई गुना पैसा वसूलना शुरू कर देंगे। सरकार , सरकार के मंत्री और अधिकारियों को इस बात का विशेष ध्यान रखना होगा। जब भी प्राइवेट अस्पतालों की खुली लूट का जिक्र आता है तो आप इससे स्कूलों और कॉलेजों को अलग नहीं कर सकते हैं। क्योंकि जिस तरह से एक छोटे नर्सिंग होम को बड़ा और भव्य अस्पताल बनने में देर नहीं लगती, उसी तरह से स्कूल और कॉलेजों की बिल्डिंग भी साल दर साल भव्य से भव्यतम होती चली जाती है। फीस, किताबें, ड्रेस और बाकी खर्चों की मनमानी के बारे में तो सबको मालूम है। इसलिए यहां पर हम सिर्फ कुछ उदाहरण आपके सामने रखना चाहेंगे। दिल्ली से सटे गाजियाबाद में स्थित एक मेडिकल कॉलेज से MBBS करने की कुल लागत सवा से डेढ़ करोड़ रुपए के बीच आती है। मिडिल क्लास तो छोड़िए , हाई इनकम ग्रुप में आने वाले लोगों के लिए भी अब अपने बच्चों को MBBS करवा पाना आसान नहीं रहा है। आजकल प्राइवेट स्कूलों में लूट का एक जरिया स्मार्ट बोर्ड यानी स्मार्ट क्लासेस भी बन चुका है।

समावेशी, पारदर्शी सरकारी खरीद का बेहतरीन प्लेटफॉर्म है जेम

वाणिज्य और उद्योग के मंत्री के रूप में, मुझे गर्व है कि जेम, जिसे 9 अगस्त 2016 को लॉन्च किया गया था, अपनी शानदार सेवा के दस साल पूरे कर रहा है।

पीयूष गोयल

सरकारी खरीद के लिए सरकार का ई-मार्केटप्लेस (जेम) वैश्विक स्तर पर एक पारदर्शी, समावेशी और कुशल प्लेटफॉर्म के रूप में उभरा है, जो 1.37 लाख सरकारी खरीदारों को 25 लाख विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं से जोड़ता है।

जेम प्लेटफार्म की विशेषता है कि यह खरीद से जुड़ी सभी प्रमुख गतिविधियों को एक बड़े डिजिटल मार्केटप्लेस में एकीकृत करता है। यह वैश्विक सर्वोत्तम तौर-तरीकों को सरकार के समावेशी विकास के साथ जोड़ता है, जिससे यह पीएम मोदी के विकासित भारत 2047 के विजन को आगे बढ़ाने वाला इंजन बन जाता है।

2016 में पीएम द्वारा इस परिवर्तनकारी डिजिटल पहल की शुरुआत के एक दशक में, जेम ने भ्रष्टाचार को मिटाकर और स्टार्टअप, एमएसएमई, महिला उद्यमियों और छोटे शहरों के व्यवसायों को बढ़ावा देकर, सरकारी खरीद में क्रांति ला दी है। उपयोगकर्ता-अनुकूल यह प्लेटफ़ॉर्म वास्तव में एक रत्न है, जिसने विवादित आपूर्ति और निपटान महानिदेशालय की जगह ली है, जिसकी प्रणालियाँ अस्पष्ट और गैर-प्रतिस्पर्धी थीं। इससे खरीदारी प्रणाली के केवल कुछ सुविधा-प्राप्त लोगों को ही अनुचित फ़ायदा मिलता था।

यह उचित है कि वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय का नया, आधुनिक कार्यालय, वाणिज्य भवन, उसी ज़मीन पर बना है, जहाँ कभी वह पुरानी और संदिग्ध प्रतिष्ठा वाली संस्था हुआ करती थी।

वाणिज्य और उद्योग के मंत्री के रूप में, मुझे गर्व है कि जेम, जिसे 9 अगस्त 2016 को लॉन्च किया गया था, अपनी शानदार सेवा के दस साल पूरे कर रहा है। यह सिर्फ आंकड़ों का जश्न मनाने वाला पड़ाव नहीं है; बल्कि यह इस बात में एक बुनियादी और सफल बदलाव है कि कैसे सरकारी खरीद देश के निर्माण में योगदान देती है।

उत्पाद खोजने और बोली लगाने से लेकर अनुबंध देने और भुगतान करने तक, पूरी खरीद प्रक्रिया को डिजिटल बनाकर जेम ने मनमाने फैसलों को खत्म किया है, निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दिया है और लोगों के भरोसे को मजबूत किया है। हर लेन-देन का एक डिजिटल रिकॉर्ड बनता है जिसकी जांच की जा सकती है; इससे जवाबदेही बढ़ती है और सरकारी खरीद के प्रति निष्ठा मजबूत होती है। जेम पीएम मोदी के व्यवसाय करने में आसानी मिशन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। एकल डिजिटल विंडो, आसान पंजीकरण, मानकीकृत प्रक्रिया और नियमित नीतिगत सुधार - जैसे अमानत राशि को ख़त्म करना और लेन-देन शुल्क को युक्तिसंगत बनाना – के जरिये जेम ने भागीदार बनने की बाधाओं को काफी हद तक कम किया है, जिससे सरकारी खरीद तक पहुंच आसान हो गयी है। जेम ने आत्मनिर्भरता और स्वदेशी उद्यमों को बढ़ावा देने के लक्ष्य को मजबूती से आगे बढ़ाया है। घरेलू निर्माताओं और सेवा प्रदाताओं को प्राथमिकता देकर, इसने स्थानीय मूल्य श्रृंखलाओं को मजबूत किया है और देशी उत्पादन को प्रोत्साहित किया है।

पोर्टल पर दिया गया हर ऑर्डर भारत की निर्माण क्षमता और आर्थिक संप्रभुता में एक निवेश है। खास बात यह है कि जेम में मात्रा के आधार पर लगभग 60त्न ऑर्डर और सकल माल मूल्य (जीएमवी) में 45त्न से ज़्यादा की हिस्सेदारी सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) की है।

जेम, पीएम मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास' मिशन के अनुरूप समावेशी विकास का एक महत्वपूर्ण इंजन के रूप में सेवाएं देता है। यह स्टार्टअप्स, छोटे व्यवसायों और महिलाओं द्वारा संचालित उद्यमों को बिना किसी बाधा या मध्यस्थ के सरकारी खरीदारों के सामने अपने उत्पादों और सेवाओं को आसान तरीके से पेश करने का मौका देता है। प्रवेश करने की बाधाओं को खत्म करके और सरकारी खरीद तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाकर, जेम ने पूरे देश के छोटे व्यवसायों को राष्ट्र-निर्माण में सक्रिय भागीदार बनने और उस व्यावसायिक क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए सशक्त बनाया है, जिस पर कभी स्थापित कंपनियों का दबदबा हुआ करता था।

जेम के माध्यम से 12 लाख से अधिक सूक्ष्म और लघु उद्यमों ने 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक के सरकारी ऑर्डर पूरे किए हैं। 2.20 लाख से ज्यादा महिला उद्यमियों ने 99,713 करोड़ रुपये से अधिक के ऑर्डर हासिल किए हैं, जबकि 42,000 से अधिक स्टार्टअप्स ने 65,600 करोड़ रुपये से अधिक के ऑर्डर पूरे किए हैं। जेम ने 69,000 से ज्यादा एससी/एसटी उद्यमियों को सरकारी खरीद में भाग लेने का अवसर दिया है, और उन्होंने 23,145 करोड़ रुपये से अधिक के ऑर्डर पूरे किए हैं।

ये उपलब्धियाँ इस बात की फिर से पुष्टि करती हैं कि जेम की भूमिका एक डिजिटल खरीद प्लेटफ़ॉर्म से कहीं ज़्यादा है। यह प्लेटफार्म समावेशी विकास, उद्यमिता और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए उत्प्रेरक है, जो सुनिश्चित करता है कि हर योग्य उद्यम को भारत के विकास में योगदान देने का समान अवसर मिले। कई मायनों में, जेम की यात्रा 'विकसित भारत 2047' की आकांक्षाओं को दर्शाती है, जो प्रधानमंत्री के विकसित भारत के विजन के अनुरूप है – एक ऐसा भारत जो पारदर्शी, समावेशी, नवोन्वेषी और डिजिटल रूप से संप्रभु हो।

हम जेम के दूसरे दशक में प्रवेश कर रहे हैं, हमारा विज़न इसे एक स्मार्ट, हरित और विश्व-स्तरीय प्लेटफ़ॉर्म के रूप में विकसित करना है, जो नई तकनीकों का उपयोग करता है और साथ ही हितधारकों, खासकर हमारे नवोन्मेषियों, स्टार्टअप्स, छोटे कारोबार, महिलाएं, युवा और छोटे शहरों और वंचित वर्गों से आने वाले उद्यमियों की भागीदारी को बढ़ाता है । भारत के सबसे सफल डिजिटल सरकारी खरीद इकोसिस्टम्स में से एक के रूप में, जेम यह दिखाता है कि कैसे तकनीक, डेटा विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उपयोगकर्ता-केंद्रित डिज़ाइन सार्वजनिक खर्च में गति, दक्षता और पैसों की सही कीमत प्रदान कर सकते हैं। पिछले दो वित्त वर्षों में, इस प्लेटफ़ॉर्म का वार्षिक जीएमवी 5 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है, जिससे इसका कुल मूल्य लगभग 20 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसमें अब 10,644 उत्पाद श्रेणियां और 350 सेवा श्रेणियां शामिल हैं।

चाहे वह जीवन रक्षक दवाइयाँ और टीके हों, जो अस्पतालों तक तेजी से पहुँच रहे हैं, रक्षा सामग्री और ड्रोन हों, जो कुशलता से पहुंचाए जा रहे हैं, उच्च गुणवत्ता वाले उपकरण हों, जो कक्षाओं को बदल रहे हैं, या विश्वसनीय अवसंरचना हो, जो गांवों को सशक्त बना रही है - पारदर्शी और कुशल खरीद सार्वजनिक सेवाओं की उच्च गुणवत्ता और संसाधनों का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करती है।

इस बदलाव के सच्चे लाभार्थी भारत के नागरिक हैं। आईआईटी दिल्ली के एक अध्ययन (जुलाई-अगस्त, 2026) में पाया गया कि जेम के माध्यम से खरीदारी से पिछले तीन वित्त वर्षों (वित्त वर्ष 2023-24 से 2025-26) में 86,571.69 करोड़ रुपये का आर्थिक लाभ हुआ, जिसमें कीमत और प्रक्रिया की दक्षता से हुई बचत शामिल है। इसी तरह, अध्ययन में जेम के 101 उत्पादों की तुलना फ्लिपकार्ट, अमेज़न, इंडियामार्ट जैसे प्लेटफार्मों पर उपलब्ध समान वस्तुओं से की गई।

व्यंग्य

लाभ उठाने की रणनीति नाकाम

जिस समय देश में 'विश्व गुरु' बनने की खुशफहमी का आलम था, असल में भारत सरकार अवसरों का लाभ उठाने की कारगर रणनीति बनाने में नाकाम रही। दो बड़े थिंक टैंक इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं।

दो थिंक टैंक इस समान निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि 2018 के बाद वैश्विक समीकरणों में शुरू हुए तेज बदलाव से जो अवसर सामने आया, भारत उसका लाभ उठाने में विफल रहा। दरअसल, यह उस दौर की कथा है, जिसमें भारत के 'विश्व गुरु' बनने की कहानियों पर करोड़ों देशवासी यकीन किए हुए थे। लेकिन जिस समय ऐसी खुशफहमी का आलम था, असल में भारत सरकार अवसरों का लाभ उठाने की कारगर रणनीति बनाने में नाकाम रही। न्यूयॉर्क स्थित थिंक टैंक रोडियम ग्रुप ने 'क्या भारत अंततः अपनी मैनुफैक्चरिंग महत्त्वाकांक्षाओं को हासिल कर सकेगा'- शीर्षक से जारी अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा है कि 2018 में जब अमेरिका और चीन में व्यापार जंग शुरू हुई, तो यह आम धारणा बनी कि चूंकि कंपनियां अपना कारोबार चीन से निकालकर दूसरे देशों में ले जाएंगी, तो भारत को इसका सबसे ज्यादा फायदा होगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

वियतनाम और मेक्सिको ने इस मामले में कहीं बेहतर प्रदर्शन किया है। अमेरिका को चीन के निर्यात में आई गिरावट से खाली हुई जगह को उन्होंने प्रभावी ढंग से भरा। इससे इन देशों के मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में ज्यादा मूल्य (वैल्यू) जुड़ा, जबकि भारत इस मामले में काफी पीछे रह गया है। रणनीतिक मामलों में ऐसे ही निष्कर्ष पर ऑस्ट्रेलियाई थिंक टैंक लोवी इंस्टीट्यूट पहुंचा है। उसके 'एशिया पावर इंडेक्स' के मुताबिक भारत अपनी विशाल क्षमताओं और संसाधनों के बावजूद एशिया में प्रभावशाली शक्ति या क्षेत्रीय 'एंकर' (स्थिरता प्रदान करने वाली प्रमुख ताकत) नहीं बन पा रहा है।

इंस्टीट्यूट के मुताबिक भारत के पास जितनी क्षमता, जनसंख्या, और संसाधन हैं, उनकी तुलना में उसका वास्तविक क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रभाव बहुत कम है। भारत का क्षेत्रीय रक्षा गठबंधनों और व्यापारिक साझेदारियों में प्रभाव अन्य प्रमुख शक्तियों की तुलना में सीमित है, जिससे यह अपनी क्षमता का पूरा लाभ नहीं उठा पाया है। चीन से पश्चिम की प्रतिस्पर्धा के मद्देनजर भारत से हमदर्दी रखने वाली विदेशी संस्थाएं ऐसे निष्कर्ष पर पहुंचती हैं, तो उस पर भारतवासियों को ध्यान देना चाहिए। जब जवाबदेही का मुद्दा उठा है, इन नाकामियों के लिए कौन उत्तरदायी है, ये सवाल भी जरूर पूछा जाना चाहिए।

ब्लॉग

खेल में अपनी प्रतिभा को पहचाने और भविष्य संवारें

तेजबहादुर सिंह भुवाल

एक समय था जब यह माना जाता था कि केवल पढ़ाई-लिखाई ही उज्ज्वल भविष्य और अच्छी नौकरी का मार्ग है। इसी सोच को दर्शाते हुए कहा जाता था- 'पढ़ोगे-लिखोगे बनोगे नवाब, खेलोगे-कूदोगे बनोगे खराब। लेकिन आज का भारत इस धारणा को पूरी तरह बदल चुका है।

इसलिए आज के दौर में यह कहना उचित नहीं होगा कि केवल पढ़ाई-लिखाई ही सफलता का एकमात्र मार्ग है। यदि किसी में खेल के प्रति जुनून, अनुशासन और समर्पण है, तो वह खेलों के माध्यम से भी अपने सपनों को साकार कर सकता है। शिक्षा और खेल, दोनों मिलकर व्यक्तित्व का समग्र विकास करते हैं तथा जीवन में सफलता के नए द्वार खोलते हैं।

खेल केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि यह व्यक्तित्व निर्माण, आत्मविश्वास, अनुशासन और सफलता की ऐसी पाठशाला है, जहाँ से भविष्य के विजेता तैयार होते हैं। आज खेलों में करियर की असीम संभावनाएँ हैं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मान, रोजगार, आर्थिक सुरक्षा और वैश्विक पहचान मिल रही है। ऐसे समय में प्रत्येक युवा के लिए आवश्यक है कि वह अपनी खेल प्रतिभा को पहचाने और उसे सही दिशा देकर अपने भविष्य को संवारे।

हर बच्चे के भीतर कोई न कोई विशेष क्षमता होती है। किसी की गति उसे उत्कृष्ट धावक बनाती है तो किसी की फुर्ती कबड्डी, हॉकी, फुटबॉल, क्रिकेट, तीरंदाजी, बैडमिंटन, वॉलीबॉल या अन्य खेलों में सफलता दिला सकती है। यदि प्रतिभा को समय पर प्रशिक्षण और अवसर मिले, तो वही खिलाड़ी प्रदेश और देश का गौरव बनता है।

खेलों का सबसे बड़ा योगदान यह है कि वे जीवन के महत्वपूर्ण गुणों का विकास करते हैं। अनुशासन, धैर्य, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना, समय प्रबंधन और संघर्ष का साहस खेल के मैदान में ही सीखा जाता है। यही गुण आगे चलकर जीवन के हर क्षेत्र में सफलता की नींव रखते हैं।

छत्तीसगढ़ में खेलों को नया स्वरूप देने की दिशा में राज्य शासन ने उल्लेखनीय प्रयास किए हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने, ग्रामीण और जनजातीय अंचलों के युवाओं को अवसर उपलब्ध कराने तथा खेल संस्कृति को मजबूत करने के लिए अनेक पहल की जा रही हैं। प्रदेश में आधुनिक खेल अधोसंरचना का विकास, प्रशिक्षण सुविधाओं का विस्तार, खेल अकादमियों को सुदृढ़ करना तथा विभिन्न स्तरों पर प्रतियोगिताओं का आयोजन इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इसी के साथ ही इस वर्ष से छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय खेलों इंडिया ट्राइबल गेम्स का सफल आयोजन किया गया है।

विशेष रूप से बस्तर ओलंपिक और सरगुजा ओलंपिक जैसी अभिनव पहल ने खेलों को गाँव-गाँव तक पहुँचाया है। इन आयोजनों ने दूरस्थ वनांचलों और जनजातीय क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया है। परंपरागत खेलों के साथ आधुनिक खेलों को भी बढ़ावा देकर हजारों युवाओं, महिलाओं और बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला है। इन प्रतियोगिताओं ने यह साबित किया है कि अवसर मिलने पर ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के खिलाड़ी अब राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचने की क्षमता रखते हैं।

इसके साथ ही विद्यालय और महाविद्यालय स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं, ग्रामीण खेल आयोजनों, प्रतिभा खोज कार्यक्रमों तथा प्रशिक्षण शिविरों के माध्यम से नई प्रतिभाओं की पहचान की जा रही है। उत्कृष्ट खिलाड़ियों को प्रोत्साहन, सम्मान और विभिन्न सुविधाएँ उपलब्ध कराकर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ सरकार खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य स्तर पर कई पुरस्कार प्रदान करती है। जिसमे गुंडाधुर सम्मान शामिल है। यह छत्तीसगढ़ राज्य अलंकरण के तहत दिया जाने वाला सर्वोच्च खेल पुरस्कार है। यह पुरस्कार बस्तर के वीर नायक गुंडाधुर की स्मृति में, खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राज्य के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को दिया जाता है। दूसरा महाराज प्रवीरचंद भंजदेव के नाम पर है। यह पुरस्कार विशेष रूप से तीरंदाजी के खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दिया जाता है। इसी के साथ छत्तीसगढ़ में खेल प्रोत्साहन योजना भी शुरू की गई है, जिससे युवाओं में खेल का अवसर प्राप्त हो सके।

छत्तीसगढ़ के कई ऐसे खिलाड़ी, जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है, जो छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत है। वर्तमान में ज्ञानेश्वरी यादव ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 (ग्लासगो) में महिला 53 किलोग्राम वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश और प्रदेश का नाम रोशन किया। अमितेश कुजूर ने राष्ट्रमंडल खेल में बेहतरीन प्रदर्शन किया। इसी प्रकार अन्य खिलाड़ियों ने भी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेलों में पदक जीतकर छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है।

आज खेल केवल खिलाड़ी बनने तक सीमित नहीं हैं। खेल प्रशिक्षक, फिटनेस विशेषज्ञ, खेल प्रबंधन, खेल विज्ञान, खेल पत्रकारिता और खेल प्रशासन जैसे अनेक क्षेत्रों में भी युवाओं के लिए रोजगार और करियर के नए अवसर उपलब्ध हैं। इसलिए खेल को अब केवल शौक नहीं, बल्कि भविष्य निर्माण के प्रभावी माध्यम के रूप में देखा जाना चाहिए।

अभिभावकों और शिक्षकों की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है कि वे बच्चों की रुचि और क्षमता को पहचानें तथा उन्हें खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। पढ़ाई और खेल एक-दूसरे के पूरक हैं। स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन ही उत्कृष्ट शिक्षा और सफल जीवन का आधार बनते हैं।

आज जब डिजिटल दुनिया बच्चों को मैदान से दूर कर रही है, तब आवश्यकता है कि उन्हें फिर से खेल मैदानों की ओर प्रेरित किया जाए। मैदान में बिताया गया समय केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि व्यक्तित्व, सोच और नेतृत्व क्षमता को भी मजबूत बनाता है।

खेल हमें सिखाते हैं कि हर जीत के पीछे निरंतर अभ्यास, अनुशासन और संघर्ष छिपा होता है। इसलिए अपनी प्रतिभा को पहचानिए, शासन, प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे अवसरों का भरपूर लाभ उठाइए और बस्तर ओलंपिक, सरगुजा ओलंपिक, राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय जैसे आयोजनों को अपने सपनों की उड़ान का मंच बनाइए। आज का खिलाड़ी ही कल का चौंपियन, प्रदेश का गौरव और देश का भविष्य है।

लेखक सहायक जनसंपर्क अधिकारी हैं

दिव्यांग बच्चों ने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

जौनपुर। स्वतंत्रता दिवस के पूर्व महंगूपुर शीतला चैकिया स्थित रचना विशेष विद्यालय में गुरूवार को तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में विद्यालय के दिव्यांग बच्चे, शिक्षक एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारों के साथ यात्रा निकाली। मुख्य अतिथि जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी राजेश कुमार नायक ने रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। रैली में दिव्यांग बच्चे हाथों में तिरंगा लेकर रैली में शामिल हुए। रैली विद्यालय परिसर से निकलकर शीतला चैकिया धाम, धन्नेपुर चैराहा होते हुए विद्यालय परिसर में आकर समाप्त हो गयी। रैली का समापन नसीम अख्तर द्वारा किया गया। रैली के पूर्व विद्यालय परिसर में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि राजेश कुमार नायक ने कहा कि विशेष बच्चों की अक्षमताओं को नकारते हुए उनकी क्षमताओं को देखना चाहिए जिससे सामान्य तथा विशेष बच्चों में एकरूपता आ सके।

'बेटा उठ जा... गलती मुझसे हुई'

जिला अस्पताल में बेटे के शव से लिपटी मां की चीख से हर आंख हुई नम

आर्यावर्त संवाददाता

गोरखपुर। जिला अस्पताल में गुरुवार को पुरुषोत्तम का शव पहुंचा तो वहां मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं। 16 वर्षीय बेटे के शव को देखते ही मां मायावती देवी उससे लिपटकर बिलखने लगीं। बार-बार बेटे का चेहरा सहलाते हुए कहतीं-बेटा उठ जा... गलती मुझसे हो गई। मैंने ही सामान लेने भेजा था।

कभी वह बेटे को उठाने की कोशिश करतीं तो कभी उसके सिर को अपनी गोद में रख लेतीं। उन्हें यकीन नहीं हो रहा था कि कुछ घंटे पहले छाता लेकर घर से निकला उनका बेटा अब कभी वापस नहीं आएगा।

बड़े भाई की मौत की खबर मिलते ही किशन और बहनें प्रीती व प्रिया भी अस्पताल पहुंच गईं। शव देखते ही तीनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। भाई को पुकारते हुए बहनों की चीखें अस्पताल के माहौल को और गमगीन कर रही थीं। रिश्तेदार और पड़ोसी उन्हें संभालने की कोशिश करते रहे, लेकिन किसी के लिए भी परिवार के इस दुख को थाम पाना आसान नहीं था।

मायावती बार-बार खुद को कोस रही थीं। दोपहर में स्कूल से लौटने के बाद उन्होंने ही सामान लेने भेजा था। बारिश हो रही थी, इसलिए वह छाता लेकर निकला था। घर से करीब 200 मीटर दूर जलभराव वाले रास्ते में बिजली के पोल के संपर्क में आते ही वह करंट की चपेट में आ गया।

परिवार के लोगों का कहना है कि जिस स्थान पर हादसा हुआ, वहां जलभराव के बीच बिजली का पोल था। जिस समय हादसा हुआ पिता पप्पू फलमंडी में थे। बेटे की मौत की सूचना मिलने के बाद वह भी जिला अस्पताल पहुंचे। शव देखते ही उनका धैर्य जवाब दे गया। वह फूट-फूटकर रोने लगे।

रिश्तेदारों और पड़ोसियों की भीड़ परिवार को संभालने में जुटी थी। कोई मां को पकड़कर बैठा रहा तो कोई पिता और बच्चों को ढांढस देता रहा। लेकिन घर के सबसे बड़े बेटे को खोने का दर्द इतना गहरा था कि किसी की सांत्वना परिवार के आंसू नहीं रोक पा रही थी। हादसे के बाद राजीव नगर मोहल्ले में भी शोक के साथ आक्रोश है।

1734 ग्राम पंचायतों में लगेगें सूचना बोर्ड

जौनपुर। जिले की सभी 1734 ग्राम पंचायतों में अब सूचना बोर्ड लगाए जाएंगे। इन बोर्डों पर गांव में चल रही विकास योजनाओं, स्वीकृत कार्यों, उनकी लागत, प्रगति और लाभार्थियों से संबंधित जानकारी प्रदर्शित की जाएगी। इस पहल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी आसानी से उपलब्ध कराना है। इसके साथ ही, इससे कार्यों में पारदर्शिता बढ़ेगी और पंचायत स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित होगी। इन सूचना बोर्डों के जरिए ग्रामीण यह जान सकेंगे कि उनके गांव में कौन-कौन से कार्य स्वीकृत हुए हैं, वे किस योजना के तहत संचालित हो रहे हैं और उन पर कितनी धनराशि खर्च की जा रही है। इससे संभावित अनियमितताओं पर भी अंकुश लगने की उम्मीद है। ग्रामीणों को गांव में हुए विकास कार्यों की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सभी ग्राम पंचायतों में सूचना बोर्ड लगाने का निर्देश दिया गया है।

संक्षेप

कलह से उबकर आत्महत्या किया

जौनपुर। मड़ियाहूं थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव में एक व्यक्ति ने परिवारिक कलह से उबकर आत्महत्या कर लिया है। उक्त गांव निवासी सुनील कुमार गौतम पुत्र कल्लन प्रसाद गौतम ने शुक्रवार की सुबह 9 बजे कीटनाशक खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। कीटनाशक खाने के कारण जब उसकी हालत बिगड़ने लगी तब उसे परिजन लेकर जिला अस्पताल ले गयें जहां उपचार के कुछ ही देर बाद उसकी मौत हो गई। परिजन उसकी लाश लेकर घर चले गयें।

चोरी की छह बाइक बरामद, एक गिरफ्तार

जौनपुर। कोतवाली पुलिस ने वाहन चोरी की छह मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी अतुल सोनकर उर्फ बुल्ला को गिरफ्तार किया है। बरामद सभी मोटरसाइकिलें बिना नंबर प्लेट की हैं। पुलिस के अनुसार, 14 अगस्त की सुबह उपनिरीक्षक जयदीप कोल पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गश्त और चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर राजासाहब पोखरे और रसूलाबाद मालगोदाम के पास करीब 4रू15 बजे उमरपुर सुंदरनगर कॉलोनी गुलरचक निवासी अतुल सोनकर उर्फ बुल्ला को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी की छह मोटरसाइकिलें बरामद कीं। इनमें एक बाइक वह भी है, जिसे एक जून को सदर अस्पताल जौनपुर के पास से चोरी किया गया था।

ड्यूटी में लापरवाही पर दरोगा निलंबित

जौनपुर। ड्यूटी में लापरवाही और अनुशासनहीनता के मामले में पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए तेजीबाजार थाने में तैनात उपनिरीक्षक शिववदन यादव को निलंबित कर दिया। पुलिस अधीक्षक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए उपनिरीक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश दिया। पुलिस के अनुसार, उपनिरीक्षक शिववदन यादव पर कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही, अनुशासनहीनता और स्वेच्छाचारिता के आरोप लगे थे। इन आरोपों को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी ने विभागीय कार्रवाई के तहत निलंबन की कार्रवाई की। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि पुलिसकर्मियों द्वारा कर्तव्य निर्वहन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनुशासनहीनता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

खण्ड षिक्षा अधिकारी पर कार्रवाई की मांग

जौनपुर। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक शुक्रवार को संघ कार्यालय चहारसू में आयोजित हुई। बैठक में विकासखंड केराकत के खंड शिक्षा अधिकारी के खिलाफ शिक्षकों द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों को लेकर चर्चा की गई।संघ पदाधिकारियों के अनुसार, केराकत ब्लॉक के शिक्षकों ने ठम्प पर अमानवीय व्यवहार करने, शिक्षिकाओं के प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग करने तथा जातिगत आधार पर भेदभाव किए जाने के आरोप लगाए हैं। इन शिकायतों को लेकर शिक्षक संघ ने संबंधित अधिकारी के खिलाफ निष्पक्ष जांच और दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की मांग की। संघ के संयोजक संजय कुमार सिंह ने कहा कि केराकत ब्लॉक के शिक्षकों की ओर से अधिकारी के व्यवहार को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं। यदि मामले की तत्काल निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई नहीं की गई तो शिक्षक संघ आंदोलन के लिए बाध्य होगा।प्रदेश उपाध्यक्ष डा. राजेश सिंह ने कहा कि आरोपों की निष्पक्ष जांच और दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की मांग को लेकर संघ का प्रतिनिधिमंडल जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से मुलाकात करेगा। विजय रघुवंशी, विकास सिंह, शोभनाथ यादव, अरुणेश कुमार, चंद्रकांत सिंह, दुर्गा यादव, ध्रुवराज यादव, रवि सिंह सहित कई शिक्षक मौजूद रहे। संचालन संघ के सहसंयोजक सत्यप्रकाश मिश्र ने किया।

उमस से बेहाल शहरवासियों को बादलों ने दी राहत की आस, सुबह से छाए बादल, बारिश का इंतजार

मेरठ। मेरठ में पिछले दो-तीन दिनों से तेज धूप और उमस भरी गर्मी ने शहरवासियों की परेशानी बढ़ा रखी है। दिनभर चिपचिपी गर्मी के कारण घरों से लेकर बाहर तक लोगों का हाल बेहाल रहा। शुक्रवार को सुबह से ही मौसम बदला हुआ नजर आया। आसमान में बादल छाए रहने और धूप का असर कम होने से लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिली और बारिश की उम्मीद जगी। सुबह से छाए रहे बादल, कम हुई धूप की तपिश शुक्रवार सुबह आसमान में बादलों की चादर छाई रही। कई बार धूप बादलों के पीछे छिपती रही, जिससे तेज धूप का असर कम महसूस हुआ। बादलों की लगातार आवाजाही देखकर लोगों को जल्द बारिश होने की उम्मीद बनी रही। हालांकि सुबह के समय बारिश नहीं हुई। बादलों के छाए रहने के बावजूद हवा में नमी अधिक होने के कारण उमस का असर बना रहा। बिना बारिश के वातावरण में चिपचिपाहट महसूस होती रही। पिछले दिनों तेज धूप के साथ बढ़ी उमस ने लोगों की परेशानी पहले ही बढ़ा दी थी। ऐसे में बादलों के कारण लोगों को मौसम के और बदलने की उम्मीद है। शुक्रवार सुबह बदले मौसम ने शहरवासियों को बारिश की आस जरूर दी, लेकिन बादल बरसने का इंतजार बना रहा। लोगों को उम्मीद है कि दिन में बादलों की आवाजाही के साथ बारिश हो सकती है, जिससे उमस भरी गर्मी से राहत मिलेगी।

गरीब व्यक्ति शादी अनुदान योजनान्तर्गत करें आनलाईन आवेदन

मेरठ। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी शैलेश रॉय ने बताया कि अन्य पिछड़ा वर्ग के (अल्पसंख्यक पिछड़े वर्ग को छोड़कर) के गरीब व्यक्तियों की शादी अनुदान योजनान्तर्गत पात्र आवेदकों को रू0 20,000 .00 (अंकन रु0 बीस हजार मात्र) का अनुदान दिये जाने की व्यवस्था है। शादी अनुदान हेतु आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन शादी की तिथि के 90 दिन पूर्व तथा 90 दिन पश्चात तक (उस ही वित्तीय वर्ष में) www.shadianudan.upsdc.gov.in लिंक पर जाकर किया जा सकता है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में जनपद मेरठ के अन्य पिछड़े वर्ग के व्यक्तियों की पुत्रियों की शादी हेतु वर्तमान में कुल 198 लाभार्थियों का बजट प्राप्त है। शादी अनुदान आवेदन हेतु अर्हता निम्न प्रकार है :-आवेदक अन्य पिछड़े वर्ग (अल्पसंख्यक पिछड़े वर्ग को छोड़कर) का होना चाहिए, पुत्री की आयु शादी की तिथि को 18 वर्ष या उससे अधिक होनी अनिवार्य है, शादी अनुदान योजनान्तर्गत आवेदक की आय शहरी क्षेत्र तथा ग्रामीण क्षेत्र में रु0 1,00,000/- (अंकन रु0 एक लाख मात्र) प्रति वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए, आवेदक का बैंक खाता राष्ट्रीयकृत बैंक में होना चाहिए, एक आवेदक अधिकतम 02 पुत्रियों की शादी अनुदान हेतु आवेदन कर सकता है, पहचान पत्र की छायाप्रति, बैंक पासबुक की छायाप्रति, विवाह के प्रमाणपत्र की छायाप्रति, वर व कन्या की आयु से सम्बन्धित प्रमाणपत्र, आधार कार्ड तथा आवेदक व कन्या का फोटो होने पर शादी अनुदान हेतु आनलाईन आवेदन किया जा सकता है।

हापुड़ में मस्जिद से दो संदिग्धों को दबोचा, मेरठ लेकर गई टीम

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। यूपी के हापुड़ जिले के बहादुरगढ़ थाना क्षेत्र के गांव शेरपुर स्थित कुरैशियान मस्जिद में शुक्रवार को एटीएस ने छापा मारकर यहां मौजूद दो संदिग्धों को हिरासत में ले लिया। टीम दोनों को यहां से लेकर मेरठ रवाना हो गई। मौके पर एक संदिग्ध बाइक भी खड़ी मिली है।

मस्जिद इंतजामियां कमेटी के अनुसार, दोनों युवक क्षेत्र के रहने वाले नहीं थे और बिना किसी परिचय के मस्जिद में पहुंचे थे। उन्होंने मस्जिद के बाहर बाइक खड़ी की और अंदर चले गए। सुरक्षा एजेंसी दोनों युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। हापुड़ पुलिस ने एटीएस के पहुंचने की पुष्टि की है। लेकिन इसके अलावा पुलिस के पास और कोई जानकारी नहीं है। ग्रामीणों के अनुसार दो दाड़ी और टोपी पहने मुस्लिम युवक मेरठ नंबर बाइक से सुबह यहां पहुंचे थे। दोनों की उम्र करीब 25 साल के आसपास रही होगी। इनके यहां पहुंचने के पांच मिनट बाद ही एटीएस की टीम यहां पहुंच गई और दोनों को हिरासत में ले लिया। ऐसा लग रहा था कि टीम दोनों का पीछा करते हुए यहां पहुंची थी। सीओ राहुल यादव का कहना है कि एटीएस के आने की जानकारी मिली है। मामले की जानकारी की जा रही है।

किसानों के लिए फसल बीमा योजना' सुरक्षा कवच

जौनपुर। जिला उद्यान अधिकारी, डॉ सीमा सिंह राणा ने बताया कि जनपद के कृषकों के लिए भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रायोजित 'पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना' इस सीजन के लिए क्रियान्वित की जा रही है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक आपदाओं जैसे अत्यधिक वर्षा, तापमान में उतार-चढ़ाव, सूखा या नमी के कारण फसलों को होने वाले नुकसान से किसानों को सुरक्षा प्रदान करना और उनकी कृषि आय को स्थिर रखना है।इस योजना के माध्यम से किसान अपनी बागवानी फसलों, विशेषकर केला और मिर्च का बीमा कराकर वित्तीय जोखिम को कम कर सकते हैं। योजना के तहत, केला फसल के लिए 1,50,000 रुपये प्रति हेक्टेयर की बीमित राशि निर्धारित की गई है, जिसके लिए किसानों को 7,500 रुपये का प्रीमियम देना होगा। इसी प्रकार, मिर्च की फसल के लिए 50,000 रुपये प्रति हेक्टेयर की बीमित राशि पर 2,500 रुपये प्रीमियम देय है।

खड़गे के अपमान पर कांग्रेस ने निकाला विरोध मार्च

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। हल्द्वानी में भाजपा और संघ के कार्यकर्ताओं द्वारा कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के सभा मंच को अपवित्र कहकर गंगाजल से शुद्धीकरण किए जाने से आक्रोशित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष डा0 प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में पुष्पांजली रिस्टार्ट से जफराबाद थाना के सामने हाइवे पर शुक्रवार को विरोध मार्च निकाल कर प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन के बाद सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय सचिव सीपी मित्तल ने कहा कि भाजपा दलितों सहित सभी समाज से नफर करती है। दलितों पर अत्याचार, सामाजिक अन्याय, भेदभाव भाजपा और संघ की पुरानी नीति है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि देश का संविधान सबको बराबरी का अधिकार देता है किंतु भाजपा जातिवादी विष घोलकर देश को जातीय आधार पर बांटने का काम कर रही है। यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय कोआर्डिनेटर गुरु गोपाल सिंह ने कहा कि भाजपा द्वारा किया गया यह भेद भाव किसी भी तरह स्वीकार नहीं है, सभ्य समाज और लोकतांत्रिक व्यवस्था में जातिवादी कुकृत्य भाजपा का चुनावी हथकंडा बन गया है। उपाध्यक्ष डा0 संतोष गिरी, कृष्णचंद्र निषाद,चंद्रशेखर निषाद, संदीप निषाद, इरशाद खान, तिलकधारी निषाद, सभासद शहनवाज मंजूर, फैयाज हाशमी, दयाशंकर पटेल , अखिलेश यादव,सुनीता देवी, रामआशीष यादव, अब्दुल रहीम अंसारी, सतीश चन्द्र निषाद सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

तिरंगा बाइक रैली निकाली गई

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत शुक्रवार को जनपद में भव्य तिरंगा बाइक रैली निकाली गई। रैली का शुभारंभ राज्यमंत्री खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चंद्र यादव और विधान परिषद सदस्य बृजेश सिंह 'प्रिंसु' ने मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खड़या की मौजूदगी में हरी झंडी दिखाकर किया।रैली में परिषदीय विद्यालयों के अध्यापक-अध्यापिकाओं के साथ बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। तिरंगा हाथों में लेकर बाइक और स्कूटी पर सवार प्रतिभागियों ने 'भारत माता की जय' के नारे लगाते हुए देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया। सभी प्रतिभागियों ने हेलमेट पहनकर यातायात नियमों के पालन और सड़क सुरक्षा का भी संदेश दिया।रैली के समापन पर कलेक्ट्रेट स्थित विकास भवन के समीप क्रांति स्तंभ पर पुष्प अर्पित किए गए। इसके बाद सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई।राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान का उद्देश्य स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों के त्याग एवं बलिदान को याद करना तथा नई पीढ़ी में राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने जनपदवासियों से अभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी करने और राष्ट्रध्वज का सम्मान बनाए रखने की अपील की।विधान परिषद सदस्य बृजेश सिंह 'प्रिंसु' ने कहा कि तिरंगे की आन, बान और शान की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने लोगों से राष्ट्रध्वज को सम्मान के साथ घर पर लगाने और उतारने के बाद सुरक्षित एवं सम्मानपूर्वक रखने की अपील की।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि जिलाधिकारी के नेतृत्व में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत जनपद में लगातार विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

'ससुराल में तंत्र-साधना का दबाव'...कानपुर पुलिस कमिश्नर ऑफिस पहुंची महिला, सुनाई रोंगटे खड़े करने वाली कहानी

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। कानपुर में एक विवाहिता ने ससुराल वालों पर तंत्र-मंत्र के नाम पर प्रताड़ित करने, दहेज की मांग करने और मारपीट के गंभीर आरोप लगाए हैं। कार्रवाई न होने से नाराज पीड़िता कमिश्नर कार्यालय आत्मदाह करने की नीयत से पहुंची। पुलिस को पहले ही इसकी सूचना मिल गई थी, जिसके चलते मौके पर भारी फोर्स तैनात रही। पीड़िता जैसे ही वहां पहुंची, पुलिसकर्मियों ने उसे समझाकर आत्मदाह से रोक लिया। पीड़िता कमिश्नर से मिलने की मांग पर अड़ी रही। काफी समझाने के बाद भी वह अपनी शिकायत पर कार्रवाई की मांग करती रही।

पीड़िता कानपुर के सचेंडी थाना क्षेत्र की रहने वाली बताई जा रही है। उसकी शादी 16 मार्च 2024 को पांडव नगर निवासी एक कांग्रेस नेता के बेटे से हुई थी। पीड़िता का आरोप है कि शादी में परिवार की ओर से काफी पैसा खर्च किया गया था। इसके बावजूद शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोगों ने उसे परेशान करना शुरू कर दिया। पीड़िता का आरोप है कि ससुराल वाले उससे मायके से पैसे और सोना लाने की मांग करते थे। इसके अलावा उस पर तंत्र-मंत्र और साधना में शामिल होने का दबाव भी बनाया जाता था।

पीड़िता ने आरोप लगाया कि उसके ससुराल में तंत्र-मंत्र की गतिविधियां होती थीं। उसका दावा है कि परिवार के लोग रात में साधना करते थे। उस पर भी इसमें शामिल होने का दबाव बनाया जाता था। पीड़िता के मुताबिक, जब उसने इस तरह की गतिविधियों में शामिल होने से इनकार किया तो उसके साथ मारपीट की गई। उसने अपने पति पर कपड़े फाड़ने और उसे कमरे में बंद करने का भी आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि विरोध करने पर उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। पागल साबित करने की धमकी तक दी गई।

पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि वह कुछ समय के लिए अपने पति के साथ इंडोनेशिया गई थी। वहां भी उसके साथ तंत्र-मंत्र से जुड़ी गतिविधियां की गईं। उसका कहना है कि ससुराल लौटने के बाद भी उस पर ऐसी गतिविधियों में शामिल होने का दबाव जारी रहा। पीड़िता ने आरोप लगाया कि 21 जनवरी 2025 को जब उसने तंत्र-साधना में शामिल होने से इनकार किया तो उसके पति ने उसके साथ मारपीट की। गले में फंदा डालकर पंखे से लटकाने की कोशिश की। पीड़िता का आरोप है कि इस दौरान उसकी जान को खतरा था।

चार महीने से कार्रवाई का इंतजार

पीड़िता के मुताबिक, उसने 29 मार्च 2026 को महिला थाने में इस मामले में FIR दर्ज कराई थी। मामले की जांच पनकी थाना प्रभारी दिनेश सिंह बिष्ट द्वारा की जा रही है। हालांकि, पीड़िता का आरोप है कि FIR दर्ज हुए करीब चार महीने बीतने के बावजूद आरोपियों के खिलाफ अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इसी से नाराज होकर वह कमिश्नर कार्यालय पहुंची थी। उसका कहना है कि अगर उसे जल्द न्याय नहीं मिला तो वह मुख्यमंत्री कार्यालय जाकर अपनी जान देने जैसा कदम उठाएगी।

फिलहाल कमिश्नर कार्यालय में मौजूद पुलिसकर्मियों ने पीड़िता को समझाया और उसे आत्मदाह करने से रोक लिया। पुलिस पूरे मामले की जांच और दर्ज मुकदमे में आगे की कार्रवाई की बात कह रही है। वहीं, पीड़िता लगातार आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई और न्याय की मांग कर रही है।

अयोध्या राम मंदिर में बड़ा बदलाव : 15 अगस्त से नए ड्रेस कोड में नजर आएंगे रामलला के अर्चक, जानें क्या होगी नई पोशाक

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। अयोध्या स्थित भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला की सेवा-पूजा प्रणाली को अधिक अनुशासित, सात्विक और व्यवस्थित बनाने के लिए एक बड़ा निर्णय लिया गया है। आगामी 15 अगस्त से मंदिर परिसर में सेवा देने वाले सभी अर्चकों (पुजारियों) के लिए एक नया और एकरूप ड्रेस कोड लागू किया जा रहा है। इस बदलाव के बाद रामलला की सेवा में तैनात सभी पुजारी एक ही तय पोशाक में दिखाई देंगे।

नए ड्रेस कोड के अंतर्गत सभी अर्चकों के लिए पीत (पीला) रंग की धोती और उत्तरीय (अंगवस्त्र) अनिवार्य किया गया है। गर्मी और सामान्य मौसम के लिए यह पोशाक पूरी तरह रेशमी और बिना सिली होगी। धार्मिक समिति के अनुसार, वस्त्रों का चयन धार्मिक मर्यादा और शास्त्रों की शुचिता को ध्यान में रखकर किया गया है। महंत राजकुमार दास ने बताया कि सनातन परंपरा में रेशमी वस्त्रों को पवित्रता और सात्विकता का प्रतीक माना जाता है। मौसम के मिजाज को देखते हुए सर्दियों में अर्चकों के लिए इसी पीले रंग में ऊनी वस्त्रों का प्रबंध किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के समय अर्चक 'चौबंदी' (पारंपरिक सिला हुआ कुर्ता/पहनावा) धारण करते थे। हालांकि, धार्मिक समिति ने पूजा-अर्चना की प्राचीन पद्धतियों, वैदिक मर्यादा और वस्त्रों की शुचिता को प्राथमिकता देते हुए इसमें बदलाव का निर्णय लिया। अब बिना सिले रेशमी पीतांबर को ही मुख्य वेशभूषा के रूप में स्वीकार किया गया है।

सभी शिफ्टों के पुजारियों पर लागू होगा नियम

यह नया नियम मंदिर में अलग-अलग समय व शिफ्ट में सेवा देने वाले सभी मुख्य और सहायक अर्चकों पर समान रूप से लागू होगा। एक समान पहनावे से न केवल मंदिर प्रबंधन में अनुशासन और एकरूपता दिखेगी, बल्कि श्रद्धालुओं के लिए पुजारियों की पहचान करना भी अधिक सुगम हो जाएगा। 15 अगस्त से राम मंदिर आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को रामलला के दरबार में एक नई, पावन और अनुशासित छवि देखने को मिलेगी।

विद्यार्थियों ने दिखाई देशभक्ति और रचनात्मक प्रतिभा

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय में "हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने इन प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता, राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना का प्रभावी प्रदर्शन किया। अभियान के अंतर्गत भाषण, निबंध लेखन, स्लोगन लेखन, पोस्टर एवं पेंटिंग तथा रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता में "तिरंगा और राष्ट्रीय एकता" तथा "युवा और राष्ट्र निर्माण" विषयों पर विद्यार्थियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। निबंध लेखन प्रतियोगिता का विषय "हर घर तिरंगा रू राष्ट्रीय एकता का प्रतीक" रहा, जबकि स्लोगन, पोस्टर-पेंटिंग और रंगोली प्रतियोगिताएँ तिरंगा, राष्ट्रभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता की भावना पर आधारित रहीं। प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा, विचारों और देशभक्ति की भावना का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इन आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के गौरव, स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास तथा राष्ट्रीय एकता के महत्व से जोड़ने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम के दौरान दूरदर्शन द्वारा तैयार विशेष वीडियो "आजादी की विभीषिका" का भी प्रसारण किया गया। वीडियो के माध्यम से विद्यार्थियों को वर्ष 1947 के विभाजन के दौरान उत्पन्न मानवीय त्रासदी, विस्थापन, पीड़ा और सामाजिक परिस्थितियों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से अवगत कराया गया। क्विज प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रथम 10 प्रतिभागियों, जिनमें पाँच छात्र एवं पाँच छात्राएँ शामिल होंगे, को 17 अगस्त को "हर घर तिरंगा अभियान के समापन समारोह में विश्वविद्यालय की कुलपति द्वारा सम्मानित किया जाएगा। सभी चयनित प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र भी प्रदान किए जाएंगे।

इंडो-वेस्टर्न लुक के साथ दिखाएं देशभक्ति का अंदाज, 15 अगस्त पर ट्राई करें ये स्टाइल

15 अगस्त पर इंडो वेस्टर्न लुक के लिए सफेद कुर्ती या शर्ट को बेस बनाकर हरे और नारंगी के साथ तिरंगा दुपट्टा, जैकेट या एक्सेसरीज को स्टाइल कर सकते हैं। महिलाओं के लिए कुर्ती–पलाजो, शर्ट– जींस, और इंडो वेस्टर्न ड्रेस अच्छे विकल्प हैं, जबकि पुरुष कुर्ता डेनिम, नेहरू जैकेट और सफेद शर्ट व ट्राउजर का कॉम्बिनेशन ट्राई कर सकते हैं।

15 अगस्त सिर्फ देशभक्ति और तिरंगे का पर्व नहीं, बल्कि अपने अंदाज में देश के प्रति प्यार जाहिर करने का भी मौका है। अगर आप इस स्वतंत्रता दिवस पर पारंपरिक कुर्ता-पायजामा या साड़ी से कुछ अलग पहनना चाहते हैं, तो इंडो-वेस्टर्न आउटफिट एक शानदार विकल्प हो सकता है। इसमें ट्रेडिशनल भारतीय स्टाइल और मॉडर्न फैशन का खूबसूरत कॉम्बिनेशन देखने को मिलता है।

इसके लिए सिर से पैर तक तिरंगे रंग पहनना जरूरी नहीं है। केसरिया, सफेद और हरे रंग में से किसी एक या दो रंग को अपने आउटफिट में शामिल करके भी आप एलिगेंट देशभक्ति लुक क्रिएट कर सकते हैं। महिलाओं के लिए इंडो-वेस्टर्न कुर्ती के साथ प्लाजो, धोती पैंट, स्कर्ट या जींस का कॉम्बिनेशन अच्छा विकल्प हो सकता है।

वहीं पुरुष नेहरू जैकेट को शर्ट, कुर्ते या टी-शर्ट के साथ पेयर कर सकते हैं। तिरंगे रंग की ज्वेलरी, दुपट्टा, स्कार्फ या बैग लुक को और खास बना सकता है। आइए जानते हैं 15 अगस्त के लिए ऐसे इंडो वेस्टर्न फैशन आइडियाज, जिन्हें ऑफिस, कॉलेज, स्कूल या स्वतंत्रता दिवस सेलिब्रेशन में आसानी से ट्राई किया जा सकता है।

दफ्तर के लिए स्वतंत्रता दिवस फैशन

अगर ऑफिस में 15 अगस्त के सेलिब्रेशन में शामिल हो रहे हैं तो बहुत ज्यादा चमकीला या भारी आउटफिट पहनने के बजाय स्मार्ट एथनिक लुक चुनें।

महिलाएं व्हाइट कुर्ती, ट्राउजर और हल्के रंग के दुपट्टे के साथ मिनिमल ज्वेलरी पहन सकती हैं।

पुरुषों के लिए सफेद शर्ट, बेज ट्राउजर, नेहरू जैकेट अच्छा विकल्प हो सकता है।

कॉलेज और स्कूल के लिए कैसा हो लुक?

कॉलेज में सफेद शर्ट, जींस और तिरंगा स्टोल जैसा कैजुअल लुक ट्राई किया जा सकता है।

स्कूल कार्यक्रम के लिए बच्चों के आउटफिट में सहज एथनिक वियर को प्राथमिकता दें।

तिरंगे रंगों वाले छोटे एक्सेसरीज जैसे, हेयरबैंड, बैज या ब्रिस्टबैंड लुक में फेस्टिव टच जोड़ सकते हैं।

व्हाइट कुर्ती के साथ ट्राई करें ट्राईकलर टच

अगर आप सिंपल लेकिन स्टाइलिश लुक चाहती हैं तो व्हाइट कुर्ती को बेस बनाएं। इसके साथ केसरिया या हरे रंग का दुपट्टा कैरी किया जा सकता है। लुक को ज्यादा आकर्षक बनाने के लिए कुछ चीजें पेयर कर सकती हैं। जैसे,

ऑक्सीडाइज्ड ईयररिंग
तिरंगे रंग की चूड़ियां
जूट या फैब्रिक बैग
सिंपल जूतियां

यह लुक ऑफिस और कॉलेज दोनों के लिए काफी आसानी से कैरी किया जा सकता है।

कुर्ती के साथ वाइड-लेग पैंट

इंडो-वेस्टर्न फैशन में कुर्ती और वाइड-लेग पैंट का कॉम्बिनेशन काफी स्टाइलिश लगता है।

व्हाइट या क्रीम शॉर्ट कुर्ती के साथ ग्रीन या ऑरेंज वाइड-लेग पैंट पहनें।

इसके साथ मिनिमल ज्वेलरी और फ्लैट फुटवियर रखें।

इस आउटफिट में ट्रेडिशनल और मॉडर्न दोनों का बैलेंस नजर आएगा।

शर्ट के साथ इंडियन दुपट्टा

अगर आप पूरी तरह ट्रेडिशनल कपड़े नहीं पहनना चाहतीं तो सफेद शर्ट और जींस को इंडियन दुपट्टे के साथ स्टाइल कर सकती हैं।

इसके लिए केसरिया, हरा या प्रिंटेड दुपट्टा चुनें।

यह बेहद आसान इंडो-वेस्टर्न स्टाइल है और इसे कॉलेज या कैजुअल स्वतंत्रता दिवस सेलिब्रेशन में पहना जा सकता है।

पुरुषों के लिए कुर्ता और डेनिम का कॉम्बिनेशन

पुरुषों के लिए कुर्ता और डेनिम एक शानदार इंडो वेस्टर्न विकल्प है।

व्हाइट कुर्ते के साथ ब्लू डेनिम और ऑरेंज या ग्रीन नेहरू जैकेट पहन सकते हैं।

फुटवियर में लोफर्स, मोजड़ी या क्लीन व्हाइट स्नीकर्स में लुक को मॉडर्न टच दे सकते हैं।

नेहरू जैकेट को बनाएं स्टाइल स्टेटमेंट

अगर आप पूरा इंडो-वेस्टर्न आउटफिट नहीं पहनना चाहते तो सिर्फ नेहरू जैकेट के जरिए देशभक्ति वाला फैशन टच दिया जा सकता है।

व्हाइट शर्ट या कुर्ते के ऊपर ग्रीन, ऑरेंज या प्रिंटेड नेहरू जैकेट पहनें।

दफ्तर के स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के लिए यह लुक खास तौर पर अच्छा विकल्प हो सकता है।

तिरंगा एक्सेसरीज से बनाएं लुक खास

अगर आप कपड़ों में तिरंगे रंग नहीं पहनना चाहते तो एक्सेसरीज से भी स्वतंत्रता दिवस की वाइब बनाई जा सकती है। आप ट्राई कर सकते हैं,

तिरंगे ब्रेसलेट
ऑरेंज-ग्रीन ईयररिंग
ट्राईकलर स्कार्फ
तिरंगे बैज
ग्रीन/ऑरेंज हैंडबैग
ट्राईकलर हेयर एक्सेसरीज
छोटे फ्लैग पिन

महिलाओं के लिए 5 इंडो-वेस्टर्न डे लुक

लुक 1-
सफेद कुर्ती, हरा पलाजो और नारंगी दुपट्टा
लुक 2-
सफेद शर्ट, ब्लू जींस, हरा या नारंगी दुपट्टा
लुक 3-
इंडो-वेस्टर्न ड्रेस और तिरंगा इयरिंग्स
लुक 4-
सफेद को-आर्ड सेट और नारंगी या हरा जैकेट
लुक 5-
लॉन्ग कुर्ती और स्ट्रेट पैंट्स के साथ तिरंगा एक्सेसरीज

पुरुषों के लिए 5 स्टाइलिश लुक

लुक 1
सफेद कुर्ते के साथ नीली जीं और हरा नेहरू जैकेट
लुक 2
सफेद शर्ट और बेज ट्राउजर के साथ नारंगी जैकेट
लुक 3
हरे कुर्ते और सफेद पायजामा के साथ स्नीकर्स
लुक 4
सफेद टी शर्ट और डेनिम, तिरंगा जैकेट
लुक 5
इंडो वेस्टर्न कुर्ता और लोफर्स के साथ तिरंगा पॉकेट स्क्वायर

15 अगस्त पर स्कूल की सजावट के लिए ये आइडिया हैं बेस्ट, क्लासरूम बोर्ड देखते रह जाएंगे सब

15 अगस्त का दिन स्कूलों में खास उत्साह और देशभक्ति के माहौल के साथ मनाया जाता है। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर स्कूलों में तिरंगा फहराने के साथ-साथ क्लासरूम, नोटिस बोर्ड और कॉरिडोर को भी खूबसूरती से सजाया जाता है। अगर आप भी इस साल 15 अगस्त पर क्लासरूम बोर्ड डेकोरेशन को कुछ अलग और आकर्षक बनाना चाहते हैं, तो इसके लिए महंगे सामान की जरूरत नहीं है।

तिरंगे के तीन रंगों वाले पेपर, चार्ट, रिबन, रंगीन शीट, फूल और बच्चों की बनाई पेंटिंग से शानदार सजावट की जा सकती है। खास बात यह है कि डेकोरेशन में बच्चों को भी शामिल किया जाए, ताकि उनमें रचनात्मकता के साथ देशभक्ति की भावना विकसित हो। क्लासरूम बोर्ड पर 'Happy Independence Day', 'जय हिंद', 'वंदे मातरम्' जैसे संदेश लिखने के साथ भारत का नक्शा, तिरंगा, स्वतंत्रता सेनानियों के चित्र और देशभक्ति से जुड़े छोटे संदेश लगाए जा सकते हैं।

आइए जानते हैं 15 अगस्त के लिए ऐसे आसान और बजट-फ्रेंडली क्लासरूम डेकोरेशन आइडिया, जिन्हें स्कूल में आसानी से तैयार किया जा सकता है।

1. तिरंगे के रंगों से बनाएं क्लासरूम बोर्ड

क्लासरूम बोर्ड की सजावट के लिए सबसे आसान तरीका है केसरिया, सफेद और हरे रंग की पेपर स्ट्रिप्स का इस्तेमाल करना।

बोर्ड के चारों तरफ तीनों रंगों की पट्टियां लगाएं और बीच में नीले रंग से अशोक चक्र बनाएं।

बीच में बड़े अक्षरों में लिख सकते हैं, Happy Independence Day या जय हिंद

2. भारत के नक्शे को बनाएं सेंटर ऑफ अट्रैक्शन

बोर्ड के बीच में भारत का नक्शा बनाकर उसे तिरंगे के रंगों से सजाएं।

नक्शे के आसपास छोटे-छोटे कागजी फूल और सितारे लगाए जा सकते हैं।

इसके नीचे लिखें, "मेरा भारत, मेरा गौरव"

यह डिजाइन देखने में आकर्षक होने के साथ बच्चों को देश के प्रति गर्व का संदेश भी देगा।

3. स्वतंत्रता सेनानियों की तस्वीरों से सजाएं बोर्ड

क्लासरूम बोर्ड पर स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख नेताओं की तस्वीरों का छोटा कोलाज बनाया जा सकता है। तस्वीरों के नीचे उनके नामआप कुछ क्रिएटिव बनाना चाहते हैं तो नीले चार्ट पेपर से बड़ा अशोक चक्र बनाएं।

इसे बोर्ड के बीच में लगाकर उसके पीछे हल्का सफेद बैकग्राउंड दें।

अशोक चक्र के चारों ओर छोटे पेपर फ्लावर लगाने से बोर्ड को 3D इफेक्ट दिया जा सकता है।

5. बच्चों की बनाई पेंटिंग लगाएं

15 अगस्त की सजावट में बच्चों की भागीदारी बढ़ाने के लिए उनसे पहले ही तिरंगा, भारत का नक्शा, सैनिक, स्वतंत्रता सेनानी या देशभक्ति थीम पर ड्रॉइंग बनवाएं।

सबसे अच्छी पेंटिंग को बोर्ड पर लगाएं।

इससे क्लासरूम ज्यादा पर्सनल और क्रिएटिव लगेगा।

6. तिरंगा पेपर फ्लावर डेकोरेशन

केसरिया, सफेद और हरे रंग के पेपर से फूल बनाकर बोर्ड के कोनों में लगाएं।

बीच में छोटे नीले रंग के पेपर से अशोक चक्र बनाएं।

कम बजट में यह सजावट काफी आकर्षक नजर आ सकती है।

7. देशभक्ति कोट्स का इस्तेमाल करें

बोर्ड के चारों तरफ छोटे-छोटे देशभक्ति संदेश लिखे जा सकते हैं। जैसे,

एकता में है देश की ताकत
मेरा भारत, मेरी शान
देश पहले, हम बाद में
तिरंगा हमारी शान है

8. बोर्ड पर बनाएं आजादी की थीम

बोर्ड को तीन हिस्सों में बांटकर एक तरफ आजादी का संघर्ष, बीच में तिरंगा, और दूसरी तरफ आज का भारत दिखाया जा सकता है। इस तरह की थीम सामान्य सजावट से अलग और ज्यादा ज्ञानवर्धक लगेगी।

पतंग उड़ाते समय न करें ये 3 गलतियां, वरना पड़ सकते हैं दिक्कत में

15 अगस्त का दिन देश के लोगों के लिए कई मायनों में खास होता है। ये दिन बताता है कि आजादी क्या होती है। इस दिन को हर भारतवासी बड़े ही उत्साह के साथ मनाता है। इस दिन लाल किले से लेकर लोगों के घरों, दफ्तरों, सोसाइटी आदि जगहों पर ध्वजारोहण होता है। साथ ही इस दिन पतंग भी उड़ाई जाती है। बच्चे तो बच्चे बड़े लोग भी इस दिन पतंग उड़ाते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि पतंग उड़ाने के दौरान की गई कुछ गलतियां हमें दिक्कत में डाल सकती है? चलिए जानते हैं पतंग उड़ाते समय हमें कौन सी गलतियां करने से बचना चाहिए...

पतंग उड़ाते समय कौन सी गलतियां न करें?

पहली गलती

पतंग उड़ाने में कांच वाले मांझे का इस्तेमाल बिल्कुल न करें

इसे पक्षियों और इंसानों की भी जान सकती है

यही नहीं कई तरह की घटनाएं सामने आती हैं जिनमें सड़क पर जाने वाले लोगों के गर्दन पर भी इस मांझे की वजह से कट जाता है जिससे मौत तक हो सकती है

इसलिए भूलकर भी कांच वाले मांझे से पतंग न उड़ाएं

कई जगहों पर ये मांझा बैन है और पकड़े जाने पर सजा का प्रावधान भी है

इसलिए भूलकर भी इस 15 अगस्त कांच वाले चाइनीज माझे से पतंग उड़ाने की गलती तो भूलकर न करें

वरना आप दिक्कत में पड़ सकते हैं

दूसरी गलती

पतंग उड़ाते समय अपने बच्चों का ध्यान रखें

बच्चे अकेले ही छतों पर पतंग उड़ाने चले जाते हैं

पतंग उड़ाने के लिए बच्चे ऊंची मुंडेर या बाउंड्रीवॉल पर चढ़ जाते हैं और फिर ऐसे में कई मामले बच्चों के छत से गिरने के आते हैं

इसलिए पतंग उड़ाते समय हमेशा अपने बच्चों के साथ ही रहें

तीसरी गलती

पतंग उड़ा रहे हैं तो अपने साथ-साथ पक्षियों का भी ध्यान रखना चाहिए

हर साल पतंग के मांझे से कई पक्षियों की गर्दन, पैर आदि कट जाते हैं तो कई पक्षियों की मौत भी हो जाती है

इसलिए पतंग उड़ाते समय ये सुनिश्चित करें कि आपकी वजह से पक्षियों को परेशानी न हो

लोन लेने वालों के लिए बड़ी राहत! आरबीआई ला रहा है नए कड़े नियम, छिपे हुए चार्ज और मनमानी ब्याज दरों पर लगेगी लगाम

आरबीआई ने लोन की कीमत तय करने के लिए एक कॉमन फ्रेमवर्क का प्रस्ताव दिया है। इस ड्राफ्ट में कम वैल्यू वाले और माइक्रोफ़ाइनेंस लोन के लिए APR की सीमा तय करने का प्रस्ताव है। इसे विस्तार से समझते हैं....

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) ने लोन पर ब्याज दरें तय करने के लिए एक एकसमान सिस्टम का प्रस्ताव दिया है। इसका मकसद बैंकों और दूसरे रेगुलेटेड लेंडर्स के बीच लोन देने के तरीकों को ज्यादा ट्रांसपेरेंट और एक जैसा बनाना है। इस ड्राफ्ट सिस्टम में बोर्ड से मंजूर प्राइसिंग पॉलिसी, बेंचमार्क से जुड़ी दरें और कम वैल्यू वाले लोन पर बहुत ज्यादा कीमत वसूलने से बचाने के उपाय शामिल हैं।

ये प्रस्ताव RBI की उस बड़ी कोशिश का हिस्सा हैं, जिसका मकसद मॉनेटरी पॉलिसी के असर को बेहतर बनाना, यह पक्का करना कि क्रेडिट की कीमत रिस्क के हिसाब से तय हो और उधार लेने वालों को यह साफ तौर पर पता चले कि उनके लोन की दरें कैसे तय होती हैं। ड्राफ्ट नियम 11 सितंबर 2026 तक लोगों की राय के लिए खुले हैं और इनके 1 अप्रैल 2027 से लागू होने का प्रस्ताव है।

खास बात यह है कि इस प्रस्ताव का मतलब यह नहीं है कि सभी NBFCs को फ्लोटिंग-रेट वाले लोन को किसी बाहरी बेंचमार्क से जोड़ना ही होगा। बाहरी बेंचमार्क से जोड़ने की जरूरी शर्त कमर्शियल बैंकों के लिए फ्लोटिंग-रेट वाले रिटेल लोन और माइक्रो, स्मॉल और मीडियम एंटरप्राइजेज (MSMEs) को दिए जाने वाले लोन पर लागू होगी, जबकि NBFCs और कई दूसरी रेगुलेटेड संस्थाओं के पास बाहरी बेंचमार्क अपनाने या न अपनाने का फैसला करने की आजादी होगी।

आरबीआई का नया प्रस्ताव

प्रस्तावित फ्रेमवर्क के तहत, रेगुलेटेड संस्थाओं को लोन और एडवांस की कीमत तय करने के लिए बोर्ड से मंजूर एक पूरी पॉलिसी बनाए रखनी होगी। इस पॉलिसी में बताया जाएगा कि ब्याज दरें कैसे तय होती हैं, कौन से बेंचमार्क लागू होंगे, स्प्रेड के हिस्से क्या होंगे, लोन की कैटेगरी क्या होंगी और कीमत तय करने की शक्तियां किसे दी जाएंगी। इस पॉलिसी की समीक्षा भी साल में कम से कम एक बार करनी होगी।

फिक्स्ड और फ्लोटिंग-रेट, दोनों तरह के लोन के लिए, RBI ने बेंचमार्क और रिस्क-बेस्ड स्प्रेड पर आधारित एक स्ट्रक्चर का प्रस्ताव दिया है। लेंडर को लागू बेंचमार्क से कम कीमत पर लोन देने की इजाजत नहीं होगी।

फ्लोटिंग-रेट लोन के लिए, बेंचमार्क, रीसेट फ्रीक्वेंसी और रीसेट की तारीख लोन एग्रीमेंट में बतानी होगी। बेंचमार्क को आम तौर पर तीन महीने से ज्यादा के अंतराल पर रीसेट नहीं किया जा सकेगा। फ्रेमवर्क में यह भी प्रस्ताव है कि ब्याज की कैलकुलेशन 'एक्चुअल/एक्चुअल डे-काउंट कन्वेंशन' का इस्तेमाल करके रोजाना कम होने वाले बैलेंस पर की जाए।

बेंचमार्क के ऊपर स्प्रेड में क्रेडिट रिस्क प्रीमियम, ऑपरेटिंग कॉस्ट, टर्म प्रीमियम और बिजनेस स्ट्रैटेजी प्रीमियम जैसे हिस्से शामिल हो सकते हैं। अगर पूरी समीक्षा के बाद उधार लेने वाले का क्रेडिट प्रोफाइल बदलता है, तो क्रेडिट रिस्क प्रीमियम में बदलाव किया जा सकता है। स्प्रेड के अन्य हिस्सों में आम तौर पर तीन साल से पहले बदलाव नहीं किया जा सकेगा, सिवाय कुछ खास मामलों के।

जिन लेंडर के पास कुल डिपॉजिट ₹1,000 करोड़ से ज्यादा है, उनके लिए प्रस्तावित इंटरनल बेंचमार्क 'मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स' पर आधारित होगा, जिसकी कैलकुलेशन घरेलू डिपॉजिट और उधार की मार्जिनल कॉस्ट के तीन महीने के मूविंग एवरेज का इस्तेमाल करके की जाएगी। ऐसे लेंडर को हर महीने के पहले कैलेंडर दिन इंटरनल बेंचमार्क पब्लिश भी करना होगा।

आरबीआई ने कहा कि उसने बैंकों के बीच 'मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स-बेस्ड लेंडिंग रेट' (MCLR) तय करने के तरीकों में अंतर देखा है, जिसके कारण ज्यादा सिद्धांतों पर आधारित फ्रेमवर्क की ओर बढ़ने का कदम उठाया गया है।

कर्ज लेने वालों पर क्या होगा असर?

बैंक ग्राहकों के लिए, सबसे बड़े बदलावों में से एक फ्लोटिंग-रेट लोन में ज्यादा ट्रांसपेरेंसी हो सकती है। RBI का प्रस्ताव है कि कमर्शियल बैंकों द्वारा दिए जाने वाले सभी फ्लोटिंग-रेट पर्सनल या रिटेल लोन और फ्लोटिंग-रेट MSME लोन को एक बाहरी बेंचमार्क से जोड़ा जाना चाहिए।

बाहरी बेंचमार्क से जुड़े लोन से RBI की पॉलिसी रेट में बदलाव का असर कर्ज लेने वालों तक बेहतर तरीके से पहुंच सकता है क्योंकि बेंचमार्क किसी एक बैंक के कंट्रोल में नहीं होता है। ड्राफ्ट के अनुसार, मौजूदा लोन को 1 अप्रैल 2029 तक एक बार की मैपिंग प्रोसेस के जरिए प्रस्तावित फ्रेमवर्क में बदलना होगा।

हालांकि, NBFC, ऑल-इंडिया फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन, रीजनल रूरल बैंक और कोऑपरेटिव बैंकों को यह तय करने की छूट होगी कि वे बाहरी बेंचमार्क से जुड़े फ्लोटिंग-रेट लोन दें या नहीं। इसका मतलब है कि NBFC से लोन लेने वालों को बैंक ग्राहकों जैसा बेंचमार्क-लिंकिंग सिस्टम शायद न मिले।

आरबीआई ने कम वैल्यू वाले और माइक्रोफाइनेंस लोन के लिए एक खास सुरक्षा उपाय का भी प्रस्ताव दिया है। रेगुलेटेड संस्थाओं को एनुअल परसेंट रेट पर एक स्पष्ट सीमा तय करनी होगी, जिसमें ब्याज और अन्य शुल्क शामिल होंगे, और यह सुनिश्चित करना होगा कि दर बहुत ज्यादा न हो। प्रस्ताव के तहत 50,000 रुपए तक का पर्सनल लोन कम वैल्यू वाले लोन के तौर पर माना जाएगा।

छोटे और सीमांत किसानों के लिए शॉर्ट-टर्म एग्रीकल्चरल लोन के मामले में, कुल ब्याज और शुल्क मूल राशि से ज़्यादा नहीं हो सकते। RBI ने 11 सितंबर 2026 तक ड्राफ्ट पर सुझाव मांगे हैं। प्रस्तावित निर्देश बैंकों, NBFC, कोऑपरेटिव बैंकों, हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों और ऑल-इंडिया फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन पर लागू होंगे, जो हर कैटेगरी पर लागू होने वाले खास प्रावधानों और छूट के अधीन होंगे।

भारतीय पैकेजिंग संस्थान में प्रोफेसर सहित 20 पदों पर नियुक्ति का मौका, इस तिथि तक करें आवेदन

नई दिल्ली, एजेंसी। नौकरी की तलाश में जुटे लोगों के लिए भारतीय पैकेजिंग संस्थान (आईआईपी), दिल्ली ने विभिन्न तकनीकी और गैर-तकनीकी पदों पर अस्थायी और अनुबंध के आधार पर भर्ती के लिए एक आधिकारिक अधिसूचना जारी करके उम्मीदवारों से आवेदन मांगे हैं।

आईआईपी की ओर से जारी 20 रिक्तियों में प्रोफेसर (प्रौद्योगिकी) (इमेरिटस) का 1, प्रोफेसर (प्रबंधन) का 1, एसोसिएट प्रोफेसर (प्रबंधन) का 1, असिस्टेंट प्रोफेसर (प्रबंधन) के 3, एसोसिएट प्रोफेसर (स्मार्ट और इंटेलिजेंट पैकेजिंग) का 1, असिस्टेंट प्रोफेसर (एआई/एमएल) का 1, असिस्टेंट प्रोफेसर (सतत पैकेजिंग और एलसीए) का 1, असिस्टेंट प्रोफेसर (पैकेजिंग डिजाइन) का 1, लेक्चरर (संचार कौशल) का 1, शैक्षणिक परामर्शदाता/संपर्क अधिकारी/प्लेसमेंट अधिकारी का 1, युवा पेशेवर (प्रशासन) के 2, युवा पेशेवर (इंस्ट्रूमेंटेशन) का 1, युवा पेशेवर (पुस्तकालय) का 1, लेबोरेटरी अटेंडेंट के 2 और पैकेजिंग डिजाइनर के 2 पद शामिल हैं।

इन सभी पोस्ट के लिए ऑफलाइन माध्यम से आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है और अप्लाई करने की अंतिम तिथि 22 अगस्त तय की गई है। ऐसे में एप्लीकेशन फॉर्म भरने के योग्य और इच्छुक उम्मीदवार तय अंतिम तिथि तक या उससे पहले अपनी रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के पास किसी मान्यता प्राप्त संस्थान या विश्वविद्यालय से प्रोफेसर (प्रौद्योगिकी) (इमेरिटस) के लिए आईआईटी/एनआईटी या राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त अन्य संस्थानों से सेवानिवृत्त शिक्षाविद और पैकेजिंग टेक्नोलॉजी, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी, पॉलीमर टेक्नोलॉजी/मटीरियल साइंस या संबंधित क्षेत्रों जैसे किसी प्रासंगिक विषय में पीएचडी; प्रोफेसर (प्रबंधन) के लिए मैनेजमेंट/बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन/संबंधित विषय में पीएचडी और कम से कम 10 वर्षों का टीचिंग/रिसर्च/इंडस्ट्री का अनुभव; एसोसिएट प्रोफेसर (प्रबंधन) के लिए मैनेजमेंट/संबंधित विषय में पीएचडी और कम से कम 8 वर्ष का टीचिंग/रिसर्च अनुभव; असिस्टेंट प्रोफेसर (प्रबंधन) के लिए एमबीए/एमएमएस/एमकॉम/संबंधित मास्टर डिग्री के साथ नेट/पीएचडी होनी चाहिए।

एसोसिएट प्रोफेसर (स्मार्ट और इंटेलिजेंट पैकेजिंग) के लिए संबंधित/प्रासंगिक विषयों में पीएचडी डिग्री के साथ अच्छा एकेडमिक रिकॉर्ड, फर्स्ट क्लास के साथ मास्टर डिग्री, रिसर्च संस्थान/इंडस्ट्री में असिस्टेंट प्रोफेसर के बराबर एकेडमिक/रिसर्च पद पर पढ़ाने और/या रिसर्च का कम से कम आठ वर्ष का अनुभव (इसमें पीएचडी रिसर्च का समय शामिल नहीं है)। इसके साथ ही पब्लिश हुए काम के सबूत और किताबें और/या रिसर्च/पॉलिसी पेपर के तौर पर कम से कम 5 पब्लिकेशन और नेट/गेट पास होना चाहिए। असिस्टेंट प्रोफेसर (एआई/एमएल) के लिए एमई/एमटेक/एमएस की डिग्री होनी चाहिए।

असिस्टें प्रोफेसर (सतत पैकेजिंग और एलसीए) के लिए सस्टेनेबल पैकेजिंग, सर्कुलर इकोनॉमी, लाइफ साइकिल असेसमेंट (एलसीए), एनवायरनमेंटल सस्टेनेबिलिटी, पैकेजिंग मटीरियल, वेस्ट मैनेजमेंट या संबंधित इंटरडिसिप्लिनरी क्षेत्रों में पीएचडी; असिस्टें प्रोफेसर (पैकेजिंग डिजाइन) के लिए पैकेजिंग डिजाइन, स्ट्रक्चरल पैकेजिंग,इंडस्ट्रियल डिजाइन, कंज्यूमर पैकेजिंग, सस्टेनेबल पैकेजिंग डिजाइन या संबंधित इंटरडिसिप्लिनरी क्षेत्रों में पीएचडी; लेक्चरर (संचार कौशल) के लिए इंग्लिश/कम्युनिकेशन स्टडीज/लिंग्विस्टिक्स/बिजनेस कम्युनिकेशन/जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन/संबंधित विषयों में कम से कम 55 प्रतिशत मार्क्स के साथ मास्टर डिग्री; शैक्षणिक परामर्शदाता/संपर्क अधिकारी/प्लेसमेंट अधिकारी के लिए मार्केटिंग में स्पेशलाइजेशन के साथ एमबीए ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट में होनी चाहिए।

युवा पेशेवर (प्रशासन) के लिए किसी भी विषय में ग्रेजुएशन के साथ फाइलिंग, ड्राफ्टिंग, टाइपिंग, डॉक्यूमेंटेशन, एमएस ऑफिस, डिक्टेशन, कॉलिंग और ईमेलिंग और ऑडिट डॉक्यूमेंट्स, प्रेजेंटेशन व रिपोर्ट्स तैयार करने और एडिट करने का अनुभव और कुशलता होना चाहिए। युवा पेशेवर (इंस्ट्रूमेंटेशन) के लिए केमिस्ट्री/इंस्ट्रूमेंटेशन में बीएससी/एमएससी और जीसी-एमएस, एफटी-आईआर, सीएचएनएस एनालाइज़र का अनुभव; युवा पेशेवर (पुस्तकालय) के लिए लाइब्रेरी साइंस/इन्फॉर्मेशन साइंस/डॉक्यूमेंटेशन साइंस में मास्टर डिग्री या कम से कम 55 प्रतिशत अंकों के साथ कोई समकक्ष प्रोफेशनल डिग्री; लेबोरेटरी अटेंडेंट के लिए साइंस के साथ कम से कम 12वीं पास और पैकेजिंग डिजाइनर के लिए एनआईडी/आईआईटी/नामी संस्थानों से प्रोडक्ट/इंडस्ट्रियल डिजाइन में एमडेस और पैकेजिंग डेवलपमेंट का अनुभव होना चाहिए।

आवेदकों की अधिकतम आयु पोस्ट के अनुसार 27 से 50 वर्ष के बीच तय की गई है। योग्य अभ्यर्थियों का चयन शैक्षणिक योग्यता और अनुभव के आधार पर शॉर्टलिस्टिंग, इंटरव्यू, आदि चरणों के आधार पर किया जाएगा, जिसके बाद चयनित कैंडिडेट्स की सैलरी पोस्ट के अनुसार 20,000 से 1,50,000 रुपए के बीच प्रति माह होगी। इसके अलावा कैंडिडेट्स को अन्य लाभ और भत्ते भी दिए जाएंगे।

अमेरिका ने ड्रोन के इंपोर्ट पर लगाया 100% टैरिफ, निशाने पर चीन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ड्रोन और उनके पार्ट्स के इंपोर्ट पर भारी टैरिफ लगाने का फैसला किया है। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि अमेरिका ड्रोन और उनके कलपुर्जों के लिए विदेशी स्रोतों पर बहुत ज्यादा डिपेंड है। इस स्थिति के लिए देश की राष्ट्रीय सुरक्षा को बहुत खतरा पैदा होता है।

व्हाइट हाउस के मुताबिक, ट्रंप की ओर से साइन किए गए आदेश के तहत कुछ खास आकार और क्षमताओं वाले ड्रोन पर 100 फीसदी एड वैलोरम यानी मूल्य-आधारित टैरिफ लगाया जाएगा। ये वे ड्रोन हैं जिन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील माना गया है। वहीं, छोटे आकार के ड्रोन पर 25 फीसदी टैरिफ लगाया जाएगा।

अमेपिका ने अपने कुछ प्रमुख सहयोगी देशों से आने वाले ड्रोन और उनके पार्ट्स के लिए अलग-अलग टैरिफ तय किए गए हैं। अमेरिकी सरकार ने यूरोपीय संघ, जापान, लिकटेंस्टीन, दक्षिण कोरिया, स्विट्जरलैंड और ताइवान से आने वाले ड्रोन और उनके पार्ट्स पर 15 फीसदी टैरिफ लगेगा। वहीं, ब्रिटेन से आने वाले ड्रोन पर 10 फीसदी एड वैलोरम टैरिफ लगाया जाएगा।

व्हाइट हाउस ने कहा कि नए टैरिफ 21 दिनों के भीतर लागू हो जाएंगे। वहीं, जो ड्रोन्स और उसके पार्ट कम संवेदनशील माने जाते हैं, उसपर तय किए गए टैरिफ 180 दिन बाद लागू होगा। इसी तरह, जिन प्रोडक्ट्स को पेंटागन ने आदेश पर हस्ताक्षर होने के 20 दिनों के भीतर फेडरल कम्युनिकेशंस कमीशन (FCC) की कवर्ड लिस्ट से छूट के लिए मंजूरी दी है, उन पर भी टैरिफ 180 दिन बाद लागू होगा।

ट्रंप को क्यों लेना पड़ा ऐसा फैसला?

ट्रंप ने अपने आदेश में कहा कि कॉमर्स सेक्रेटरी हॉवर्ड लटनिक ने अमेरिका में बिना पायलट वाले एयरक्राफ्ट सिस्टम यानी UAS के इंपोर्ट के असर की जांच की थी। इस जांच में यह सामने आया कि विदेशी निर्माताओं से UAS का इंपोर्ट काफी ज्यादा है। ऐसे में अमेरिका ड्रोन तथा उनके पार्ट्स के लिए विदेशी स्रोतों पर बहुत ही ज्यादा निर्भर हो गया हैय ट्रंप के मुताबिक, जांच में यह भी सामने आया कि कुछ विदेशी कंपनियों के ड्रोन और उनके पार्ट्स अमेरिका की सुरक्षा और बचाव के लिए जोखिम पैदा कर रहे हैं। इसके अलावा, अमेरिका का घरेलू ड्रोन उद्योग देश की सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त उत्पादन नहीं कर रहा है।

क्या ट्रंप का यह फैसला 'अमेरिका फर्स्ट' व्यापार नीति का हिस्सा?

फिलहाल, ड्रोन पर टैरिफ लगाने का यह फैसला ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' व्यापार नीति का हिस्सा माना जा रहा है। कानूनी चुनौतियों और विश्लेषकों की आलोचना के बावजूद ट्रंप प्रशासन ने लगातार टैरिफ को अपनी व्यापार और विदेश नीति का अहम हथियार बनाया हुआ है। ट्रंप प्रशासन के टैरिफ को लेकर फैसले काअसर ड्रोन की कीमतों, अमेरिकी बाजार में विदेशी कंपनियों की मौजूदगी और घरेलू ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग पर पड़ सकता है।

ट्रंप के इस फैसले का चीन पर कैसे पड़ेगा असर?

ट्रंप प्रशासन ने आदेश में सीधे चीन का नाम लेकर टैरिफ नहीं लगाया है, लेकिन इस फैसले का सबसे बड़ा असर चीन की ड्रोन इंडस्ट्री पर पड़ने की संभावना है। इसकी वजह यह है कि वैश्विक ड्रोन बाजार में चीनी कंपनियों, खासकर DJI, की मजबूत पकड़ है। उद्योग संगठन AUVSI के मुताबिक चीनी कंपनियां कंज्यूमर ड्रोन बाजार के करीब 90% और एंटरप्राइज ड्रोन बाजार के 70% से ज्यादा हिस्से पर नियंत्रण रखती हैं। अमेरिका पहले ही चीनी ड्रोन टेक्नोलॉजी पर कई तरह की पाबंदियां बढ़ा रहा है। बता दें चीन, अमेरिका में ठीक-ठाक स्तर पर ड्रोन के कलपुर्जे निर्यात करता है।

भारत पर ट्रंप के इस फैसले का क्या होगा असर?

अगर अमेरिकी खरीदार चीन से ड्रोन और उनके पार्ट्स खरीदने से बचते हैं, तो भारत समेत दूसरे देशों के निर्माताओं के लिए अमेरिकी बाजार में जगह बनाने का अवसर बढ़ सकता है। खासकर सर्विलांस, एग्रीकल्चर, मैपिंग और इंडस्ट्रियल ड्रोन में भारतीय कंपनियां फायदा उठा सकती हैं। बता दें कि भारत पहले से ही इलेक्ट्रॉनिक्स और डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग में अपनी क्षमता बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।

ट्रंप की सेहत पर झूठ बोल रहा है व्हाइट हाउस, पूर्व राष्ट्रपति के डॉक्टर ने किया दावा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सेहत को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। पूर्व उपराष्ट्रपति डिक चेनी का करीब 27 साल तक इलाज करने वाले कार्डियोलॉजिस्ट डॉ। जोनाथन रेनर ने ट्रंप की स्वास्थ्य स्थिति को लेकर व्हाइट हाउस के दावों पर सवाल उठाए हैं। हालांकि, रेनर ने यह भी कहा है कि वह ट्रंप के डॉक्टर नहीं हैं और उन्होंने उनकी की जांच नहीं की है। 12 अगस्त को द न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित एक ओपिनियन लेख में रेनर ने कहा कि पिछले एक साल के दौरान कई मौकों पर ट्रंप उन्हें ठीक नहीं दिखे। रेनर ने खास तौर पर ट्रंप के दोनों हाथों पर चोट के निशान, पैरों में सूजन और कुछ मौकों पर ट्रंप के जागते रहने के लिए संघर्ष करते हुए दिखाई देने का जिक्र किया।रेनर ने राष्ट्रपति की एडवांस्ड इमेजिंग को लेकर भी सवाल उठाया और कहा कि जनता को यह जानने का अधिकार है कि देश के राष्ट्रपति की सेहत कैसी है। रेनर ने यह भी साफ किया कि वह ट्रंप का इलाज नहीं कर रहे हैं और सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी के आधार पर ही अपनी चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि ट्रंप अमेरिका के सबसे ज्यादा सार्वजनिक रूप से नजर आने वाले राष्ट्रपतियों में से एक हैं। उनके स्वास्थ्य से जुड़े कुछ संकेत सार्वजनिक रूप से देखे जा सकते हैं। ऐसे में उनकी मेडिकल स्थिति को लेकर स्पष्ट जानकारी सामने आनी चाहिए रेनर की टिप्पणियों पर व्हाइट हाउस ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। CNN के मुताबिक, व्हाइट हाउस ने रेनर को राजनीतिक मकसद से बिना जांच-पड़ताल के बीमारी का अंदाजा लगाने वाला बताया। प्रशासन ने यह भी कहा कि इस तरह की अटकलें मेडिकल पेशे के लिए शर्मनाक हैं।व्हाइट हाउस ने ट्रंप का बचाव करते हुए उन्हें बेहद ऊर्जावान और अपनी जिम्मेदारियां निभाने में पूरी तरह सक्षम राष्ट्रपति बताया।

आजादी के जश्न में जल के लिए रोए शहबाज शरीफ, सिंधु पर बोले- हर एक बूंद...

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सिंधु जल संधि को लेकर एक बार फिर भारत को गीदड़भभकी दी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के पानी की एक-एक बूंद रेड लाइन है। अगर भारत ने उसके जल अधिकारों को प्रभावित करने की कोशिश की तो कड़ा जवाब दिया जाएगा।

इस्लामाबाद में गुरुवार यानी 13 अगस्त कोआजादी के जश्न से संबंधित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान शांति चाहता है। लेकिन उसकी संप्रभुता को चुनौती देने वाली किसी भी कार्रवाई का जवाब दिया जाएगा।

शहबाज शरीफ ने मई 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य संघर्ष का जिक्र करते हुए एक कथित दावा किया कि पाकिस्तान ने भारत को हराया था। उन्होंने कहा कि भविष्य में किसी भी टकराव की स्थिति में पाकिस्तान और कड़ा जवाब देगा। अपने संबोधन में शरीफ ने कश्मीर का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने पाकिस्तान के पुराने रुख को दोहराते हुए कश्मीर को भारत के साथ व्यापक विवाद का हिस्सा बताया।

शहबाज शरीफ ने ट्रंप को सीजफायर के लिए फिर दिया धन्यवाद

शहबाज शरीफ ने मई 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम कराने में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भूमिका की भी तारीफ की। जो उनके दावों का विरोधाभाष है। अगर पाकिस्तान जीत रहा था तो उसे सीजफायर और ट्रंप को बार-बार धन्यवाद देने की जरूरत क्यों पड़ रही है। दरअसल, ट्रंप ने 10 मई 2025 को घोषणा की थी कि भारत और पाकिस्तान राजनयिक बातचीत के बाद तत्काल युद्धविराम के लिए सहमत हो गए हैं। इसके बाद शरीफ ने ट्रंप के नेतृत्व और सक्रिय भूमिका के लिए उनका धन्यवाद किया था और इस समझौते तक पहुंचने में अमेरिकी प्रयासों की सराहना की थी।

भारत ने तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के दावे से किया था इनकार

हालांकि, भारत ने इस दावे को खारिज किया है। भारत का कहना है कि दोनों देशों के बीच युद्धविराम सीधे भारत और पाकिस्तान के बीच हुई बातचीत से हुआ था। भारत ने इस प्रक्रिया में किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता की बात को स्वीकार नहीं किया है।

भारत ने सिंधु जल समझौता क्यों रोका?

सिंधु जल संधि भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से जल बंटवारे का आधार रही है। अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने संधि को तत्काल प्रभाव से रोकने का फैसला किया था। इसके बाद से पाकिस्तान लगातार इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाता रहा है और संधि को कानूनी रूप से लागू बताता रहा है।

क्या है सिंधु जल समझौता?

सिंधु जल समझौता 1960 में भारत और Pakistan के बीच हुआ एक ऐतिहासिक जल-बंटवारा समझौता है, जिसकी मध्यस्थता विश्व बैंक ने की थी। इस समझौते के तहत सिंधु नदी प्रणाली की छह नदियों को दो हिस्सों में बांटा गया। रावी, ब्यास और सतलुज का अधिकांश जल भारत को मिला, जबकि सिंधु, झेलम और चेनाब का मुख्य उपयोग पाकिस्तान को दिया गया। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के संदर्भ में भारत लंबे समय से इस समझौते की समीक्षा की मांग कर रहा है।

ब्रिटेन में टूटा गर्मी का रिकॉर्ड, गुरुवार रहा साल का सबसे गर्म दिन, पारा 38 डिग्री के पार

ब्रिटेन, एजेंसी। ब्रिटेन में गुरुवार को साल का सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया। पश्चिमी लंदन में तापमान 38।1 डिग्री सेल्सियस (100।6 डिग्री फारेनहाइट) तक पहुंच गया। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने बताया कि तापमान इस साल 28 जून को दर्ज किए गए पिछले सबसे ज़्यादा तापमान 38 डिग्री सेल्सियस से भी ऊपर चला गया। हालांकि यह 2003 के सबसे ज्यादा तापमान अगस्त महीने के 38।5 डिग्री सेल्सियस के रिकॉर्ड से नीचे ही रहा। दरअसल, फ्रांस की तरह ब्रिटेन में भी इस साल पांचवीं बार उष्णलहर चल रही है। फ्रांस में जहां 17 दिनों तक भीषण गर्मी पड़ी है, जो अब तक की सबसे लंबी अवधि में से एक है। यहां के बोर्डो शहर में तापमान 39 डिग्री सेल्सियस और नैनटेस में 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जबकि पेरिस में भी 37 डिग्री सेल्सियस और मोंटपेलियर में 35 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। इसके अलावा स्पेन में मिरांडा डी एब्रो में अधिकतम 42।4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जिससे ब्रिटेन और फ्रांस दोनों देशों में जंगल की आग लगने की आशंकाएं फिर से बढ़ गईं हैं। गर्मी की वजह से पूर्वी और दक्षिणी स्कॉटलैंड के कुछ हिस्सों में जंगल में आग का अधिक खतरा होने की चेतावनी जारी की गई है। जुलाई में रिकॉर्ड तोड़ सूखे और अगस्त की शुरुआत में भी सूखे के चलते इंग्लैंड का लगभग तीन-चौथाई हिस्सा और पूरा वेल्स सूखे की चपेट में है, जिससे घरों, कृषि और पर्यावरण के लिए जल संसाधनों पर भारी दबाव पड़ रहा है। यूरोप की डेन्यूब नदी में भी पानी का स्तर रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया है।

परिजनों को नौकरी देने के आदेश पर SC ने हटाई रोक, कहा- सरकार की पॉलिसी पर सवाल उठाने वाले आप कौन?

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मद्रास हाई कोर्ट के एक आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के उस आदेश को रद्द कर दिया गया था, जिसके तहत पिछले साल करूर में भगदड़ में मारे गए लोगों के रिश्तेदारों को सरकारी नौकरी दी जानी थी।

जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने तमिलनाडु के मुख्य सचिव और अन्य लोगों को नोटिस जारी किया। बेंच ने उस पीआईएल याचिकाकर्ता से कहा,'सरकार की पॉलिसी पर सवाल उठाने वाले आप कौन होते हैं? मान लीजिए कि हादसे में परिवार का इकलौता कमाने वाला सदस्य मारा गया, तो क्या सरकार को उसके बेटे या बेटी को नौकरी नहीं देनी चाहिए?' टीवीके सरकार को एक झटका देते हुए, मद्रास हाई कोर्ट ने 27 जुलाई को विजय के उस आदेश को रद्द कर दिया था जिसमें पिछले साल करूर में भगदड़ में मारे गए लोगों के रिश्तेदारों को सरकारी नौकरी देने की बात कही गई थी। कोर्ट ने कहा कि इससे ऐसी ही और भी कई मांगें उठने लगेंगी।

हाई कोर्ट की एक डिवीजन बेंच, जिसमें जस्टिस सीवी कार्तिकेयन और आर शक्तिवेल शामिल थे। उन्होंने कहा कि सरकारी विभागों में 'कम्पैशनेट अपॉइंटमेंट' (दया के आधार पर नियुक्ति) का इंतजार कर रहे बहुत से लोगों की जरूरतों को नजरअंदाज करना सही नहीं है। बता दें कि पिछले वर्ष 27 सितंबर को करूर में टीवीके की एक सार्वजनिक सभा के दौरान भगदड़ मची। जिसमें 41 लोगों की मौत हो गई थी। इस हादसे ने पूरे देश को झकझोर दिया था और राजनीतिक रैलियों में भीड़ प्रबंधन तथा सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए थे। भगदड़ में मारे गए सभी लोगों के परिवारों को मुख्यमंत्री विजय ने 20-20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की थी। यह राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में ट्रांसफर की गई थी। इसके अलावा उन्होंने दीर्घकालिक सहायता देने का भी आश्वासन दिया था।

कैसे रोकेंगे AI वाले अपराध? : अब एआई बना साइबर अपराधियों का हथियार

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में लगातार बढ़ रहे साइबर अपराध के मामलों को लेकर दर्जनों सांसदों ने चिंता जताई है। संसद सत्र में साइबर वित्तीय धोखाधड़ी को रोकने के लिए सरकार ने क्या किया, कितने मामले सामने आ रहे हैं, भ्रामक ऐप, डार्कनेट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए हो रहा साइबर अपराध, सांसदों ने ऐसे कई सवाल पूछे हैं। साइबर अपराधियों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को एक हथियार बना लिया है। दूसरी ओर केंद्रीय गृह मंत्रालय एवं विभिन्न एजेंसियों द्वारा साइबर क्राइम को रोकने के लिए भी 'एआई' का इस्तेमाल किया जा रहा है।

सांसद अनुराग शर्मा, हैबी ईडन, ईश्वरस्वामी के., तरूण चुघ, अखिलेश प्रसाद सिंह, जीसी चंद्रशेखर, जोस के. मणि, डॉ. दिनेश शर्मा, बाबूभाई जेसंगभाई देसाई, डॉ. सैयद नसीर हुसैन, डॉ. राजकुमार चब्बेवाल, बाल्या मामा सुरेश गोपीनाथ म्हात्रे, महुआ मोइत्रा, नारायण तातू राणे, डॉ. थोल तिरूमावलवन, सतीश कुमार गौतम, सांसद एडवोकेट गोवाल कागडा, विशाल दादा प्रकाशबाबू पाटिल, डॉ. बच्छाव शोभा दिनेश, सुखविंद्र सिंह रंधावा, डॉ. रवि कुमार, राजीव प्रताप रूडी, कीर्ति आजाद, नीरज डांगी, चमाला किरण कुमार रेड्डी, इटेला राजेंद्र, विनोद श्रीधर तावड़े, रामवीर सिंह बिधुड़ी और पीसी मोहन आदि सांसदों ने साइबर क्राइम से जुड़े सवाल पूछे हैं।

बॉलीवुड के वो सितारे जिन्होंने पर्दे पर बार-बार जगाया देशभक्ति का जज्बा

बॉलीवुड में कई ऐसे सितारे हैं जिन्होंने अपने करियर में एक नहीं, बल्कि कई देशभक्ति फिल्मों में काम किया है। कभी उन्होंने सैनिक का किरदार निभाया, तो कभी देश के लिए संघर्ष करने वाले आम नागरिक का। इन कलाकारों की फिल्मों ने दर्शकों के बीच देशप्रेम और राष्ट्र के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत किया।

अक्षय कुमार – देशभक्ति फिल्मों का मजबूत चेहरा

देशभक्ति फिल्मों की बात हो तो अक्षय कुमार का नाम सबसे पहले लिया जाता है। उन्होंने हॉलिडेः ए सोल्जर इज़ नेवर ऑफ ड्यूटी, एयरलिफ्ट, केसरी, गोल्ड, बेल बॉटम और सरफिरा जैसी फिल्मों में अलग-अलग तरह के देश से जुड़े किरदार निभाए हैं। उनके करियर में देश और समाज से जुड़े विषयों वाली फिल्मों की संख्या काफी ज्यादा है।

अजय देवगन – सेना से लेकर ऐतिहासिक किरदारों तक

अजय देवगन भी देशभक्ति और राष्ट्र से जुड़े विषयों पर कई फिल्मों का हिस्सा रहे हैं। द लीजेंड ऑफ भगत सिंह, सिंघम, भुजः द प्राइड ऑफ इंडिया और तान्हाजी जैसी फिल्मों में उनके अलग-अलग किरदार दर्शकों को पसंद आए।

सनी देओल – देशभक्ति डायलॉग्स के लिए मशहूर

देशभक्ति फिल्मों और दमदार डायलॉग्स की बात हो तो सनी देओल का नाम खास तौर पर याद किया जाता है। बॉर्डर, गदरः एक प्रेम कथा, द हीरोः लव स्टोरी ऑफ अ स्पाई और मां तुझे सलाम जैसी फिल्मों ने उन्हें देशभक्ति सिनेमा के लोकप्रिय चेहरों में शामिल किया।

मनोज बाजपेयी – गंभीर और वास्तविक किरदार

मनोज बाजपेयी ने भी सेना, सुरक्षा और देश से जुड़े विषयों पर कई यादगार किरदार निभाए हैं। उनका अभिनय देशभक्ति की कहानियों को सिर्फ जोशीला ही नहीं, बल्कि गंभीर और भावनात्मक भी बनाता है।

प्रियंका चोपड़ा – देशभक्ति फिल्मों में भी दमदार मौजूदगी

अभिनेत्रियों की बात करें तो प्रियंका चोपड़ा ने जय गंगाजल, मेरी कॉम और द स्काई इज़ पिंक जैसी फिल्मों में अलग-अलग मजबूत किरदार निभाए हैं। मेरी कॉम में उन्होंने भारत की महिला बॉक्सर की भूमिका निभाकर देश के खेल और महिला शक्ति की कहानी को पर्दे पर पेश किया।

करीना कपूर – सैनिक परिवार की कहानी से जुड़ा किरदार

करीना कपूर भी देशभक्ति से जुड़े सिनेमा का हिस्सा रही हैं। बजरंगी भाईजान और तलाश जैसी फिल्मों से अलग उनकी फिल्मोग्राफी में ऐसे किरदार भी रहे हैं जो देश और समाज से जुड़े संवेदनशील मुद्दों को सामने लाते हैं।

कौन है सबसे आगे?

अगर देशभक्ति फिल्मों की पहचान और संख्या दोनों को मिलाकर देखें, तो अक्षय कुमार, अजय देवगन और सनी देओल जैसे अभिनेता इस मामले में सबसे प्रमुख नामों में नजर आते हैं। वहीं अभिनेत्रियों में भी कई सितारों ने सेना, खेल, इतिहास और राष्ट्र से जुड़े किरदार निभाकर अपनी अलग पहचान बनाई है।

बॉलीवुड में देशभक्ति का सिनेमा सिर्फ युद्ध और सीमा तक सीमित नहीं रहा। समय के साथ इसमें खेल, इतिहास, आतंकवाद, सामाजिक जिम्मेदारी और आम भारतीय के संघर्ष की कहानियां भी शामिल होती गई हैं। यही वजह है कि देशभक्ति वाली फिल्मों का क्रेज आज भी कायम है।

देशभक्ति का मूड है तो ये फिल्में जरूर देखें, जज्बे से भर देंगी दिल

देशभक्ति सिर्फ 15 अगस्त या 26 जनवरी तक सीमित नहीं है। बॉलीवुड में ऐसी कई फिल्में बनी हैं, जो देश के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा, सैनिकों का साहस और भारत के प्रति सम्मान की भावना को पर्दे पर उतारती हैं। अगर इस समय आपका मूड भी कुछ ऐसी ही फिल्म देखने का है, तो ये फिल्में आपकी वॉचलिस्ट में शामिल हो सकती हैं।

1. बॉर्डर

भारतीय सेना की बहादुरी और युद्ध के दौरान सैनिकों के संघर्ष को दिखाने वाली यह फिल्म देशभक्ति सिनेमा की यादगार फिल्मों में गिनी जाती है। फिल्म के डायलॉग और गाने आज भी लोगों के बीच लोकप्रिय हैं।

2. उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक

अगर आपको देशभक्ति के साथ जबरदस्त एक्शन पसंद है, तो यह फिल्म अच्छा विकल्प है। फिल्म भारतीय सेना की सर्जिकल स्ट्राइक की कहानी से प्रेरित है और इसमें सैनिकों के साहस को प्रमुखता से दिखाया गया है।

3. शेरशाह

कैप्टन विक्रम बत्रा की जिंदगी और कारगिल युद्ध में उनके अदम्य साहस पर आधारित यह फिल्म इमोशन और देशभक्ति दोनों से भरपूर है। फिल्म यह भी दिखाती है कि देश की रक्षा करने वाले जवानों के पीछे उनकी अपनी भावनाओं और रिश्तों की भी एक दुनिया होती है।

4. एलओसी: कारगिल

कारगिल युद्ध पर आधारित यह फिल्म कई सैनिकों की बहादुरी और बलिदान को सामने लाती है। अगर आपको युद्ध और सेना से जुड़ी कहानियां पसंद हैं, तो इसे भी वॉचलिस्ट में रखा जा सकता है।

5. मेजर

यह फिल्म मेजर संदीप उन्नीकृष्णन की जिंदगी पर आधारित है। 26/11 मुंबई आतंकी हमले के दौरान उनकी बहादुरी और बलिदान की कहानी फिल्म को भावनात्मक बना देती है।

देशभक्ति फिल्मों की खास बात

इन फिल्मों को देखने के बाद सिर्फ जोश ही नहीं आता, बल्कि यह एहसास भी होता है कि देश की सुरक्षा के लिए जवान किस तरह अपने परिवार और निजी जिंदगी से दूर रहकर जिम्मेदारी निभाते हैं। यही वजह है कि देशभक्ति पर बनी फिल्में हर पीढ़ी के दर्शकों से जुड़ती हैं।

देशभक्ति वाली फिल्मों का बदलता अंदाज : जब पर्दे पर कहानी के साथ जागता है देशप्रेम

बॉलीवुड में देशभक्ति पर फिल्में बनाने का चलन नया नहीं है। हिंदी सिनेमा ने अलग-अलग दौर में सैनिकों की बहादुरी, देश के लिए बलिदान, आजादी की लड़ाई और आम नागरिकों के भीतर छिपे राष्ट्रप्रेम को पर्दे पर उतारा है। खास बात यह है कि समय के साथ देशभक्ति फिल्मों का अंदाज भी काफी बदला है

एक दौर था जब देशभक्ति फिल्मों में सीमा पर लड़ते जवान, तिरंगा और देश के लिए कुर्बानी मुख्य केंद्र हुआ करते थे। उपकार, हकीकत और शहीद जैसी फिल्मों ने दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ा। इन फिल्मों में देशप्रेम को सिर्फ संवादों से नहीं, बल्कि किरदारों के संघर्ष और बलिदान से दिखाया गया।

बाद के दौर में बॉलीवुड ने देशभक्ति को एक्शन और मनोरंजन के साथ जोड़ना शुरू किया। बॉर्डर, एलओसी कारगिल, उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक और शेरशाह जैसी फिल्मों ने सैनिकों की वीरता और उनके निजी संघर्षों को बड़े पर्दे पर प्रभावशाली तरीके से पेश किया। इन फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस के साथ-साथ दर्शकों के दिलों पर भी गहरी छाप छोड़ी।

आज देशभक्ति फिल्मों का दायरा और बड़ा हो गया है। अब कहानी सिर्फ युद्ध के मैदान तक सीमित नहीं रहती। खुफिया मिशन, आतंकवाद के खिलाफ अभियान, वैज्ञानिक उपलब्धियां, खेल और आम लोगों के संघर्ष में भी देशप्रेम की भावना दिखाई जाती है।

इन फिल्मों की लोकप्रियता की एक बड़ी वजह यह भी है कि दर्शक सिर्फ एक कहानी नहीं देखते, बल्कि किरदारों की भावनाओं से जुड़ते हैं। परिवार से दूर रहने वाला सैनिक, देश के लिए अपना करियर दांव पर लगाने वाला अधिकारी या मुश्किल हालात में देश का नाम रोशन करने वाला खिलाड़ी—इन कहानियों में दर्शकों को देशभक्ति के अलग-अलग रंग देखने को मिलते हैं।

हालांकि, देशभक्ति फिल्मों के सामने एक चुनौती भी है। दर्शकों का एक बड़ा वर्ग अब सिर्फ जोश और बड़े-बड़े संवादों से प्रभावित नहीं होता। वह मजबूत कहानी, वास्तविक किरदार और तथ्यों के करीब रहने वाली फिल्में देखना चाहता है। यही वजह है कि आज के दौर में ऐसी फिल्मों की मांग बढ़ रही है जिनमें देशभक्ति के साथ कहानी और मनोरंजन का संतुलन भी हो।

कुल मिलाकर, बॉलीवुड की देशभक्ति फिल्मों ने समय के साथ अपना रूप जरूर बदला है, लेकिन उनका मूल भाव आज भी वही है—देश के प्रति सम्मान, समर्पण और जिम्मेदारी। यही वजह है कि जब पर्दे पर तिरंगा लहराता है और बैकग्राउंड में देशभक्ति की धुन बजती है, तो सिनेमाघर में बैठे दर्शकों के भीतर भावनाओं की एक अलग ही लहर दौड़ जाती है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालयः S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादकः प्रभात पांडेय सम्पर्कः 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com